गुस्ताखी माफ

हेरा-फेरी का इन्हें, बड़ा लग चुका रोग।
अब हैं पेपर लीक के, विशेषज्ञ ये लोग।
विशेषज्ञ ये लोग, बनाते पेपर जाकर।
लाखों रुपये ऐंठ, बता देते सब आकर।
कह साहिल कविराय, लगाते ना ये देरी।
पेपर करके लीक, करें ये हेरा-फेरी।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 222 | THURSDAY 20-08-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

₹20 करोड़ की टैक्स पेंडेंसी पर विवाद, KNL फोर्जिंग के मालिक-बेटे की गिरफ्तारी से उद्योग जगत में रोष

राजदीप सिंह सैनी

लुधियाना/यूटर्न/19 अगस्त। डीजीजीआई (डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस) की टीम द्वारा मंगलवार को चंडीगढ़ रोड स्थित के.एन.एल. फोर्जिंग ग्रुप पर रेड की थी। इस रेड के बाद फोर्जिंग और फर्नेस फर्मों में हड़कंप मच गया है।

दरअसल, यह रेड साल 2020-21 से लेकर अब तक भरी इनकम टैक्स रिटर्न में हेरफेर होने के चलते की गई है। डीजीजीआई के पास 31 अगस्त तक रेड करने का समय है। जिसके चलते विभाग पहले से और ज्यादा एक्टिव हो चुका है। कई फर्में विभाग की रडार पर है। इस कारण आने वाले दिनों में कई और फर्मों पर भी कार्रवाई हो सकती है।

वहीं दूसरी तरफ मंगलवार हुई दबिश के बाद डीजीजीआई की और से के.एन.एल. फोर्जिंग ग्रुप की तरफ करीब 20 करोड़ रुपए की पेंडेंसी निकाली गई। लेकिन इस रकम को जमा कराने से इंकार कर दिया गया। जिसके चलते देर रात ग्रुप के चेयरमैन के.के. गर्ग और उनके बेटे चेतन गर्ग को अरेस्ट कर लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

कई और फर्में भी रडार पर, कई व्यापारियों ने लगाई एंटीसिपेटरी बेल

31 अगस्त तक कार्रवाई होगी तेज

नियमों के मुताबिक डीजीजीआई के पास किसी भी इनकम टैक्स रिटर्न की जांच करके कार्रवाई करने के लिए साढ़े चार साल का समय होता है। साल 2020-21 के दौरान रिटर्न भरने वाली फर्मों की विभाग द्वारा जांच की जा रही है। इन रिटर्न का समय 31अगस्त तक है। ऐसे में 31 अगस्त तक विभाग द्वारा अपनी कार्रवाई तेज कर दी गई है। जिसके चलते बाकी फर्मों की आईटीआर की भी गहनता से जांच की जा रही है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि और कई फर्मों पर भी गाज गिर सकती है।

१० करोड़ रुपए की पेंडेंसी निकली

कारोबारी के.के. गर्ग के.एन.एल. फोर्जिंग ग्रुप के चेयरमैन है और ऑल इंडिया फर्नेस एसोसिएशन के प्रमुख भी है। चर्चा है कि डीजीजीआई द्वारा मंगलवार को उनकी फर्म पर की रेड के दौरान उनकी 2020-21 की आईटीआर निकाली गई। जिसमें करीब 20 करोड़ की देनदारी निकली। हालांकि केके गर्ग द्वारा इस टैक्स रिवीजन अमाउंट को जमा कराने से इंकार कर दिया गया।

कइयों फर्म मालिकों ने लगाई एंटीसिपेटरी बेल

के.एन.एल. फोर्जिंग ग्रुप छोटा नहीं बल्कि बड़ा ग्रुप है। जिसके चलते इसके साथ कई और भी ग्रुप जुड़े हुए हैं। ऐसे में उनके साथ व्यापार करने वाली बाकी फर्में भी रडार पर है। चर्चा है कि कई फर्म मालिकों द्वारा गिरफ्तारी के डर से पहले ही एंटीसिपेटरी बेल लेने की प्रक्रिया शुरु कर दी है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि आने वाले दिनों में कई और फर्मों पर भी विभाग दबिश दे सकता है।

जीएसटी प्रणाली में कई खामियों से व्यापारी फंस रहे

विभाग द्वारा गिरफ्तार किए गए केके गर्ग ऑल इंडिया फर्नेस एसोसिएशन के प्रमुख होने के नाते समय समय पर जीएसटी प्रणाली पर सवाल उठाते रहे हैं। उनकी तरफ से लंबे समय से जीएसटी सिस्टम सही न होने और इस वजह से व्यापारियों के फंसने के आरोप लगाए जा चुके हैं। दरअसल, व्यापारियों द्वारा जिनसे रॉ मटेरियल खरीदा जाता है, यह पता नहीं होता कि वे सही है या नहीं। रॉ मटेरियल बेचने वालों द्वारा हेरफेर कर दिया जाता है, जिसके बाद जांच एजेंसियों द्वारा सारी गाज एंड यूजर पर गिरा दी जाती है।

बोग्स बिलिंग करने वालों ने उलझाए कारोबारी

इंडिया में बोग्स बिलिंग का कारोबार बड़े स्तर पर चल रहा है। इन ठगों द्वारा कारोबारियों को भी उलझा दिया गया है। दरअसल रॉ मटेरियल बेचने वाले से लेकर एंड यूजर तक 8-10 लोग बीच में शामिल होते हैं। ऐसे में एक भी अगर बोग्स बिलिंग करता है, तो उसका खमियाजा एंड यूजर को भुगतना पड़ता है। हालांकि फर्स्ट यूजर से लेकर लास्ट यूजर तक में कौन सही और गलत है, इसका पता लगाने का कोई पैरामीटर नहीं है। हालांकि व्यापारियों द्वारा माल लोड-अनलोड करते हुए वाहनों की तस्वीरें खींची जाती है, लेकिन फिर भी बोग्स बिलिंग होने पर आखिर में व्यापारी फंस जाते हैं। हालांकि फर्नेस और रोलिंग मिल के व्यापारियों द्वारा लगातार सरकारों के आगे मांग रखी जा रही है कि वे रॉ मटीरियल पर सिर्फ एंड यूजर से 18 प्रतिशत जीएसटी ले। जिससे बोग्स बिलिंग बंद हो जाएगी और सरकारी खजाने को भी फायदा होगा। लेकिन सरकार द्वारा इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा।

अफसरों की पोस्टिंग के खेल पर ईडी की नजर, चैट्स में कई बड़े नामों का जिक्र

पंजाब/यूटर्न/19 अगस्त। सरकारी ट्रांसफर-पोस्टिंग को प्रभावित करने के कथित नेटवर्क की जांच अब कई विभागों और मामलों तक पहुंच गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ED) के 9 पन्नों के दस्तावेज में हँ३२अस्त्रस्त्र चैट्स, कॉल रिकॉर्ड्स और अन्य दस्तावेजों के आधार पर ट्रांसफर-पोस्टिंग, सरकारी नीतियों, टेंडर, हथियार लाइसेंस, जमीन सौदों और सरकारी मंजूरियों में कथित दखल के दावे किए गए हैं। ED के मुताबिक, 7 से 10 मई 2026 के बीच अजय सहगल और इंडियन कोऑपरेटिव हाउसिंग बिल्डिंग सोसायटी से जुड़े मामले की जांच के दौरान अजय सहगल, नितिन गोहल, सुरेश

कुमार बजाज और अन्य लोगों के परिसरों पर तलाशी ली गई। इस दौरान कुछ आपत्तिजनक जानकारी और दस्तावेज बरामद होने का दावा किया गया।

नितिन गोहल को कथित नेटवर्क का मुख्य चेहरा बताया...ED के दस्तावेज में नितिन गोहल पर सबसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। एजेंसी का दावा है कि वह सरकारी अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग और मूवमेंट को प्रभावित करने, इच्छुक लोगों से पैसे जुटाने और दूसरे लोगों के साथ समन्वय करने में कथित तौर पर सक्रिय था। दस्तावेज में नितिन गोहल के साथ बिर दविंदर सिंह और जितिन गोहल उर्फ राजा के कथित समन्वय का उल्लेख है। एऊका दावा है कि इनके जरिए नकद, जमीन और अन्य लाभ के रूप में करोड़ों रुपये की कथित आपराधिक आय जुटाई गई। तलाशी के दौरान नितिन गोहल के पास से 20.98 लाख रुपये नकद मिलने का दावा भी दस्तावेज में है।

मुख्यमंत्री कार्यालय से जुड़ी चैट का भी उल्लेख...ED ने 23 जनवरी 2026 की एक चैट का हवाला देते हुए दावा किया है कि जितिन गोहल उर्फ राजा को मुख्यमंत्री कार्यालय में जगह दिलाने के लिए डॉ. रोमी, राजा महाजन और राजबीर घुम्मन के जरिए प्रयास किए गए।

चैट में कुमार अमित से राजा गोहल के अस्थायी प्रवेश कार्ड में पदनाम बदलने को लेकर अनुरोध का जिक्र है।

2023 से 2026 तक ट्रांसफर-पोस्टिंग की 21 एंट्री...दस्तावेज में 20 सितंबर 2023 से 18 मार्च 2026 तक ट्रांसफर-पोस्टिंग से जुड़ी 21 एंट्रीज का उल्लेख है। इनमें आर.एस. नागरा, मनिश पजनी, अमरजीत सिंह, डीएसपी परमिंदर राजन, मनजीत सिंह तिवाना और संगीता कुमार से जुड़े मामलों का जिक्र है।

इसके बाद परमनीत कौर, डीएसपी ओंकार सिंह, डीएसपी तेजबीर सिंह, डीएफओ गुरमनप्रीत सिंह, आईएएस डॉ. शेना अग्रवाल, आईएएस विम्मी भुल्लर, एसई हरकीरन सिंह, पीसीएस सचिन पाठक, पीसीएस रविंदर सिंह अरोड़ा, अमनदीप सिंह, पीपीएस जसपिंदर सिंह और अन्य अधिकारियों की पोस्टिंग से जुड़ी चचाओं का उल्लेख मिलता है। ED के दस्तावेज में यह भी दावा है कि 2025-26 में IAS, IPS, DSP और PCS अधिकारियों की ड्राफ्ट ट्रांसफर सूचियां आधिकारिक रूप से जारी होने से पहले ही साझा की गईं।

29 जनवरी 2026 को DSP अधिकारियों की ड्राफ्ट सूची, 18 फरवरी को PCS अधिकारियों की सूची और 1 अप्रैल 2026 को DSP अधिकारियों की एक अन्य सूची साझा किए जाने का दावा किया गया है।

141 लोगों पर FIR की तैयारी, मगर अफसर-एजेंट कहां ? लुधियाना की तहसीलों में हड़कंप

कमर्शियल संपत्तियों को एग्रीकल्चर दिखाकर कम स्टांप ड्यूटी भरने का आरोप; तहसील स्तर पर हुई रजिस्ट्रियों की जांच ने बढ़ाई बेचैनी

लुधियाना /यूटर्न/19 अगस्त। लुधियाना में कथित रजिस्ट्री घोटाले को लेकर 141 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की कार्रवाई शुरू होने की जानकारी सामने आने के बाद जिले की तहसीलों और रजिस्ट्री से जुड़े लोगों में हड़कंप की स्थिति बताई जा रही है। आरोप है कि कुछ कमर्शियल इमारतों और महंगी संपत्तियों को दस्तावेजों में कृषि भूमि दिखाकर कम स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस जमा करवाई गई, जिससे सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचा। मामला सामने आने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन रजिस्ट्रियों को अब कथित तौर पर गलत बताया जा रहा है, वे संबंधित तहसील स्तर पर आखिर पास कैसे हुई ? यदि संपत्ति का वास्तविक स्वरूप कमर्शियल था तो दस्तावेजों में उसे एग्रीकल्चर दिखाने की प्रक्रिया किस स्तर पर हुई, दस्तावेज किसने तैयार किए और जांच के बाद रजिस्ट्री को मंजूरी किस अधिकारी ने दी ?

तहसीलों के रिकॉर्ड पर भी टिकेंगी निगाहें

इस मामले की तह तक पहुंचने के लिए संबंधित तहसीलों के पुराने रजिस्ट्री रिकॉर्ड, संपत्ति की श्रेणी, उस समय लागू कलेक्टर रेट, जमा करवाई गई स्टांप ड्यूटी और दस्तावेजों की स्क्रूटनी अहम साबित हो सकती है। प्रत्येक संदिग्ध रजिस्ट्री में यह देखा जाना जरूरी होगा कि दस्तावेजों में संपत्ति को किस श्रेणी में दिखाया गया और उसे किस आधार पर स्वीकार किया गया। यदि बड़ी संख्या में ऐसी रजिस्ट्रियां सामने आती हैं तो यह मामला केवल खरीदार-विक्रेता तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि पूरी रजिस्ट्री चेन की जवाबदेही का सवाल बन जाता है।

एजेंट और वसीका नवीसों की भूमिका पर भी सवाल

सामने आई जानकारी में कुछ वसीका नवीसों की कथित मिलीभगत का उल्लेख किया गया है। रजिस्ट्री से जुड़े दस्तावेजों को तैयार कराने और प्रक्रिया आगे बढ़ाने में एजेंट तथा वसीका नवीस महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में जांच में यह पता लगाया जाना जरूरी है कि कथित गलत संपत्ति श्रेणी किसके कहने पर दस्तावेजों में दर्ज हुई। अगर एजेंट या वसीका नवीस को संपत्ति की वास्तविक स्थिति की जानकारी थी, तो उनकी भूमिका क्या रही? और यदि गलत विवरण पेश किया गया था तो तहसील स्तर की जांच में वह पकड़ में क्यों नहीं आया? यही सवाल अब पूरे मामले को और गंभीर बना रहे हैं।

अधिकारियों की जवाबदेही क्यों नहीं ?

अगर कमर्शियल संपत्ति को कृषि भूमि दिखाकर रजिस्ट्री करवाई गई, तो सिर्फ दस्तावेज पेश करने वाला पक्ष ही पूरी प्रक्रिया का जिम्मेदार कैसे हो सकता है ? रजिस्ट्री को स्वीकार करने, शुल्क की गणना और दस्तावेजों को मंजूरी देने वाली सरकारी मशीनरी की भूमिका भी जांच का अहम हिस्सा होनी चाहिए। यदि 141 मामलों में कथित अनियमितता सामने आई है तो यह संख्या यह सवाल खड़ा करती है कि क्या ये सभी अलग-अलग गलतियां थीं या कहीं एक ही तरीके से रजिस्ट्रियां कराने का कोई पैटर्न मौजूद था।

तहसीलों में पुराने रिकॉर्ड खंगाले जाने की आशंका से बेचैनी

मामले में कार्रवाई आगे बढ़ने के साथ अब नजर इस बात पर है कि जांच केवल चिन्हित रजिस्ट्रियों तक सीमित रहती है या पुराने रिकॉर्ड की व्यापक जांच भी होती है। ऐसा होने पर संबंधित समय में रजिस्ट्रियां तैयार कराने वाले एजेंटों, वसीका नवीसों तथा उन्हें मंजूरी देने वाले अधिकारियों की भूमिका भी सामने आ सकती है। हालांकि उपलब्ध जानकारी से अभी यह स्पष्ट नहीं है कि 141 लोगों में कितने खरीदार-विक्रेता, कितने एजेंट या वसीका नवीस शामिल हैं और किसी सरकारी अधिकारी को आरोपी बनाया गया है या नहीं।

हाईकोर्ट के आदेशों के मुताबिक जांच का दावा

सामने आई जानकारी के अनुसार मामले की जांच हाईकोर्ट के आदेशों के अनुरूप की जा रही है। जिन रजिस्ट्रियों में कम स्टांप ड्यूटी जमा होने की पुष्टि होगी, वहां सरकारी राजस्व की रिकवरी की कार्रवाई भी की जा सकती है। अब इस कथित रजिस्ट्री घोटाले का सबसे बड़ा सवाल यही है — अगर तहसीलों में रजिस्ट्रियां हुई, एजेंटों-वसीका नवीसों ने दस्तावेज तैयार किए और अधिकारियों ने उन्हें मंजूरी दी, तो कार्रवाई की पूरी चेन कहां तक जाएगी ? क्या शिकंजा केवल खरीदार-विक्रेताओं तक रहेगा या जांच एजेंटों, वसीका नवीसों और जिम्मेदार तहसील अधिकारियों की भूमिका तक भी पहुंचेगी ? फिलहाल आरोपों की जांच जारी है और किसी व्यक्ति या अधिकारी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर एफआईआर, संबंधित रजिस्ट्री रिकॉर्ड और जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद ही स्पष्ट होगी।

लुधियाना में 'सेल्स ऑन स्टेरॉयड' का धमाल, 200 से ज्यादा बिजनेस लीडर्स ने सीखे बिक्री के नए मंत्र

लुधियाना/यूटर्न/19 अगस्त। CICU के 'सेल्स ऑन स्टेरॉयड लाइव!' प्रशिक्षण कार्यक्रम में 200 से अधिक उद्यमी, सेल्स प्रोफेशनल्स और बिजनेस लीडर्स जुटे। अंतरराष्ट्रीय मार्केटिंग कोच अक्षर यादव ने प्रतिभागियों को बिक्री के पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर ग्राहक की सोच समझने और मजबूत रिश्ते बनाने की रणनीतियां बताई।

यादव ने कहा कि आज सिर्फ अच्छा प्रोडक्ट बेचना काफी नहीं है। ग्राहक का भरोसा जीतना, उसकी जरूरत समझना और एक बार के खरीदार को लंबे समय के ग्राहक में बदलना ज्यादा अहम है।

CICU अध्यक्ष उपकार सिंह आहूजा ने कहा कि घरेलू और वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रहे MSME के लिए बिक्री की क्षमता और ग्राहक तक वैल्यू पहुंचाना बेहद जरूरी है। CICU महासचिव हनी सेठी ने कहा कि बड़ी संख्या में भागीदारी उद्योग में लगातार सीखने की बढ़ती जरूरत को दिखाती है। CICU ने ऐसे प्रैक्टिकल ट्रेनिंग कार्यक्रम आगे भी आयोजित करने की बात कही, ताकि लुधियाना के उद्योग जगत को नए कौशल और वैश्विक बिजनेस सोच से जोड़ा जा सके।

5 साल के आध्वीन का कमाल, 1 मिनट में पहचाने 133 देशों के झंडे

लुधियाना/यूटर्न/19 अगस्त। बीसीएम आर्य इंटरनेशनल स्कूल, शास्त्री नगर के यूकेजी छात्र आध्वीन सिंह सेठी ने महज 5 साल की उम्र में इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में राष्ट्रीय रिकॉर्ड दर्ज कराया है। आध्वीन ने सिर्फ 60 सेकंड में क्रमवार 133

देशों के झंडों को पहचानकर उनके नाम बताए। इस उपलब्धि की आधिकारिक पुष्टि 22 जुलाई 2026 को हुई। स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. जसनीव सेठ ने आध्वीन की असाधारण स्मरण शक्ति, एकाग्रता और तेज समझ की सराहना की।

सेंसेक्स सीएएस में कथित हेरफेर पर सेबी का बड़ा एक्शन, दो इकाइयों पर बाजार में रोक

कॉपथॉल मॉरीशस और मानसी शेयर पर कार्रवाई, 3.68 करोड़ रुपये की कथित अनुचित कमाई जब्त करने का आदेश

मुंबई/यूटर्न/19 अगस्त। शेयर बाजार के नए समापन नीलामी सत्र (सीएएस) में कथित हेरफेर को लेकर भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बड़ी कार्रवाई की है। नियामक ने कॉपथॉल मॉरीशस इन्वेस्टमेंट लिमिटेड और मानसी शेयर से जुड़ी इकाई के खिलाफ अंतरिम आदेश पारित करते हुए उन्हें प्रतिभूति बाजार में कारोबार करने से रोक दिया है। सेबी के मुताबिक यह मामला 13 अगस्त 2026 को सेंसेक्स की समाप्ति के दौरान समापन नीलामी सत्र में कथित हेरफेर वाले सौदों से जुड़ा है। सेबी के अनुसार शुरुआती जांच में कॉपथॉल की ओर से आक्रामक खरीद आदेश और मानसी की ओर से बड़े बिक्री आदेश दिए जाने का तरीका सामने आया। नियामक का प्रथमदृष्टया आरोप है कि इन आदेशों से सेंसेक्स में शामिल शेयरों के समापन भाव के निष्पक्ष निर्धारण की प्रक्रिया प्रभावित हुई। जानकारी के अनुसार मानसी ने बाद में अपने कई बिक्री आदेश रद्द भी कर दिए। हालांकि सेबी ने दोनों इकाइयों के आपसी मिलीभगत से काम करने का प्रथमदृष्टया प्रमाण नहीं मिलने की बात भी कही है। नियामक ने कॉपथॉल से करीब 2.96 करोड़ रुपये और मानसी से लगभग 72 लाख

रुपये की कथित अनुचित कमाई जब्त करने का आदेश दिया है। इस तरह कुल राशि करीब 3.68 करोड़ रुपये बनती है। यह अंतरिम कार्रवाई है और मामले की जांच अभी जारी है, इसलिए आरोपों को अंतिम रूप से सिद्ध नहीं माना जा सकता। यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि समापन नीलामी सत्र को 3 अगस्त से लागू किया गया था। इसका उद्देश्य शेयरों के समापन भाव का अधिक पारदर्शी और बेहतर निर्धारण सुनिश्चित करना है। नई व्यवस्था लागू होने के कुछ ही दिनों बाद कथित हेरफेर के मामले में सेबी की कार्रवाई को बाजार निगरानी के लिहाज से अहम माना जा रहा है। अब निवेशकों और बाजार की नजर आगे की जांच, संबंधित इकाइयों के जवाब और सेबी की अगली कार्रवाई पर रहेगी। मामले का अंतिम निष्कर्ष विस्तृत जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा।

पेज 06 श्री बालाजी के सिद्ध दरबार में सच्चे मन से की गई...

ए.पी. रिफाइनरी के डायरेक्टर्स पर धोखाधड़ी का आरोप, करोड़ों के लोन का मामला खुला

कैमिकल फर्म की प्रॉपर्टीज धोखे से बैंक के पास गिरवी रखकर लिया करोड़ों का लोन

लुधियाना/यूटर्न/19 अगस्त। देश की प्रमुख खाद्य तेल निमार्ता कंपनी जगराओं की ए.पी. रिफाइनरी प्राइवेट लिमिटेड के तीन डायरेक्टर्स समेत चार लोगों पर एक कैमिकल फर्म के मालिक साथ करोडों रुपए की ठगी मारने के आरोप लगे हैं। उन पर मिलीभगत करके कैमिकल फर्म की फर्जी बोर्ड मीटिंग के दस्तावेज तैयार करके बैंक से करोड़ों रुपए का लोन ले लिया गया। जिसके बाद उक्त पेमेंट को ए.पी. रिफाइनरी फर्म में इन्वेस्ट कर दिया गया।

जब इस संबंध में फर्म मालिक को पता चला तो उसने पुलिस को शिकायत दी। थाना डिवीजन नंबर दो की पुलिस ने संगरुर के पुनीत सिंगला की शिकायत पर बाड़ेवाल रोड के रवि नंदन गोयल, उनके बेटे भुवन गोयल, भाई अरुण कुमार गोयल और शिव कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। शिकायतकर्ता ने बताया जगराओं ए.पी. रिफाइनरी में आरोपी रवि नंदन गोयल, उसका बेटा भुवन गोयल और सगा भाई अरुण कुमार गोयल डायरेक्टर व शेयर होल्डर हैं। जिन्होंने मिलकर उसके साथ जालसाजी की। ए.पी. रिफाइनरी प्राइवेट लिमिटेड एक प्रमुख खाद्य तेल निमार्ता कंपनी है, जो मुख्य रूप से राइस ब्रेन ऑयल के उत्पादन और शोधन के लिए जानी जाती है।

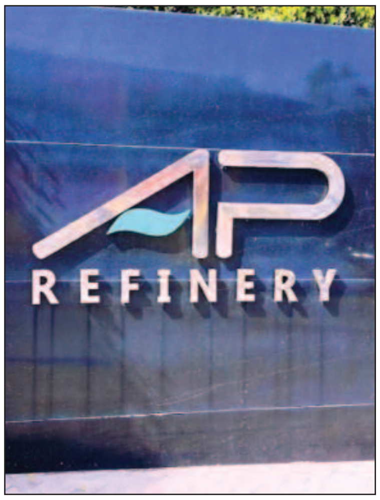

करोड़ों रुपए कर्ज लेकर ए.पी. रिफाइनरी में किए इन्वेस्ट

शिकायतकर्ता ने कहा कि बैंक के पास गिरवी रखी प्रॉपर्टियों के बदले में उसने अपनी दूसरी कंपनी ए.पी. रिफाइनरी प्राइवेट लिमिटेड जगराओं के लिए करोड़ों रुपए का कर्ज ले लिया। जबकि कंपनी की तरफ से उक्त आरोपी को कोई भी बोर्ड मत्ता डालने का अधिकार नहीं दिया था। शिकायतकर्ता के अनुसार कंपनी की तरफ से साल 2010-11 में रजिस्टरार ऑफ कंपनीज के ऑफिस में कंप्लाइंस सर्टीफिकेट दाखिल किया गया था। जिससे साफ जाहिर होता है कि दिसंबर 2010 में कंपनी की कोई मीटिंग ही नहीं हुई थी, यानि कि मत्ता फर्जी पाया गया।

कंपनी को हुआ वित्तीय नुकसान

शिकायतकर्ता ने बताया ए.पी. रिफाइनरी में आरोपी रवि नंदन गोयल, उसका बेटा भुवन गोयल और सगा भाई अरुण कुमार गोयल डायरेक्टर व शेयर होल्डर हैं। जबकि चौथा आरोपी शिव कुमार भी इनका साथी है। जिसके चलते भुवन गोयल, अरुण गोयल और शिव कुमार के साथ मिलीभगत करके रवि गोयल ने ये अपराध किया। इस तरह करके आरोपियों द्वारा जहां एक तरफ आर.के. कैमिकल प्रा. लि. और उसके शेयर होल्डर्स को नुकसान पहुंचाया गया, वहीं उनकी इस जालसाजी के कारण कंपनी अपनी वित्तीय जरुरतों को पूरा करने के लिए बैंकों से वित्तीय सहायता नहीं ले सकी।

फर्जी बोर्ड मीटिंग का मत्ता डालकर तैयार किए दस्तावेज

शिकायतकर्ता ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि वे आरके कैमिकल प्राइवेट लिमिटेड का शेयर होल्डर है। इस कंपनी का मौजूदा रजिस्टर्ड ऑफिस गांव सरोद में है। आरोपी रवि नंदन गोयल इस कंपनी का डायरेक्टर रहा है। शिकायतकर्ता के अनुसार आरोपी रवि नंदन गोयल ने साल दिसंबर 2010 में अपनी डायरेक्टरशिप का गलत फायदा उठाते हुए कंपनी की फर्जी बोर्ड मीटिंग करके एक मत्ता पास करने के जाली दस्तावेज तैयार किए गए। इस मत्ते में उसने कंपनी की सारी प्रॉपर्टी की मालकी के दस्तावेज पंजाब नेशनल बैंक चीमा चौक ब्रांच के पास गिरवी रख दिए।

विश्व फोटोग्राफी दिवस पर लुधियाना फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने लगाई 10वीं वार्षिक फोटो प्रदर्शनी

लुधियाना/यूटर्न/19 अगस्त। विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर लुधियाना फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन की ओर से लक्ष्मी लेडीज क्लब में लगाई गई 10वीं वार्षिक फोटो प्रदर्शनी वन थाउजेंड वर्ड्स का भव्य उद्घाटन पद्मश्री अवॉर्डी रजनी बेक्टर, ई-9 फाउंडेशन की अध्यक्ष हीना सिंगल, मिसेज अमन संधू तथा रामगढ़िया एजुकेशन काउंसिल के अध्यक्ष रणजोध सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथियों और गणमान्य व्यक्तियों ने प्रदर्शनी में लगाई तस्वीरों को दिलचस्पी से देखा और फोटो जर्नलिस्टों की कला तथा उनकी नजर की भरपूर सराहना की। इस अवसर पर पद्मश्री अवॉर्डी रजनी बेक्टर ने लुधियाना फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा किए इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रदर्शनी में लगाई 42 तस्वीरें अपने-आप में एक अलग कहानी प्रस्तुत करती हैं। उन्होंने कहा वन थाउजेंड वर्ड्स शीर्षक का असली अर्थ आज मुझे यहां आकर समझ आया है। एक तस्वीर कई बार हजारों शब्दों से भी अधिक प्रभावशाली ढंग से समाज की हकीकत को बयां कर जाती है। इस अवसर पर कार्यकारी मेयर राकेश पराशर, गुरुद्वारा दुख निवारण साहिब के सेवादार प्रीतपाल सिंह, पंजाबी अभिनेता दीप जोशी, भाजपा नेता संजीव चौधरी, रामगढ़िया एजुकेशन काउंसिल अध्यक्ष रणजोध सिंह, कांग्रेस नेता सन्नी भल्ला, रोहित खुल्लर, राजू कनौजिया, जुगल गोयल, अमन संधू, उमा गुप्ता, एडवोकेट कमल ज्योति, डॉ. वात्सायन, रोहित धीर, चैरी आहलूवालिया, एडवोकेट विपन सग्गड़, एडवोकेट हिमांशु वालिया, भाजपा नेता जीवन गुप्ता, रुचि विशाल गुलाटी, अश्वनी शर्मा, परवीन डंग, वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद बतीश, गुरिंदर सिंह, अमित गोसाई और जानक राज गोयल विशेष रूप से उपस्थित रहे। वहीं एसोसिएशन के संरक्षक इंद्रजीत वर्मा, सचिव गुरप्रीत सिंह, अमित बस्सी, अजय नेपाल, गौरव कनौचिया, हरजीत सिंह खालसा, हरविंदर सिंह हैप्पी, कंवलदीप सिंह डंग, लक्की भट्टी, मनीष कालिया, मनीष मोटन, नीलकमल शर्मा, राकेश मोदगिल, रमेश वर्मा, सतविंदर सिंह बसरा, सौरव अरोड़ा, विजय चायल, विशाल ढल्ल और विशाल गर्ग उपस्थित थे।

संगत की सहमति से गुरुद्वारा सिंह सभा पहाड़ी की नई कमेटी गठित

डेराबस्सी/यूटर्न/19 अगस्त। गुरुद्वारा सिंह सभा पहाड़ी, डेराबस्सी के प्रबंधन को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से संगत की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से नई प्रबंधक कमेटी का गठन कर पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई। नई कमेटी में हरविंदर सिंह को अध्यक्ष, बलविंदर सिंह को प्रधान, हरदीप सिंह को उप प्रधान, कुलवंत सिंह को कैशियर, जगमोहन सिंह को महासचिव और गुरमेल सिंह को प्रेस सचिव चुना गया। इसके अलावा हरविंदर सिंह को सलाहकार, सुखविंदर सिंह को स्टोर कीपर तथा हरजिंदर सिंह और अतर सिंह को कमेटी सदस्य की जिम्मेदारी दी गई। नवनियुक्त प्रधान बलविंदर सिंह ने संगत का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारी पूरी निष्ठा और श्रद्धा से निभाई जाएगी। गुरुद्वारा साहिब की मयार्दा कायम रखते हुए संगत की सेवा नई कमेटी की प्राथमिकता रहेगी। अध्यक्ष हरविंदर सिंह ने कहा कि कमेटी के सभी सदस्य मिलकर लंगर, कीर्तन और अन्य धार्मिक कार्यक्रमों की व्यवस्था को और बेहतर बनाएंगे। गुरुद्वारा परिसर की सफाई के साथ आवश्यक विकास कार्यों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

यूटर्न टाइम

पूर्व मंत्री मनोरंजन कालिया के घर ग्रेनेड फेंकने वाले की जमानत खारिज

एनआईए की विशेष अदालत ने कहा- आरोप बेहद गंभीर, जमानत पर छूटने पर आरोपी गवाहों को प्रभावित और सबूतों से कर सकता है छेड़छाड़

मोहाली/यूटर्न/19 अगस्त। पंजाब के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के जालंधर स्थित घर के बाहर ग्रेनेड फेंकने के मामले में आरोपी सैदुल अमीन की जमानत याचिका एनआईए की विशेष अदालत ने खारिज कर दी है। आरोपी अमरोहा (उत्तर प्रदेश) का रहने वाला है। एनआईए की विशेष जज की अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध सामग्री प्रथम दृष्टया आरोपी की प्रतिबंधित आतंकी संगठन से जुड़े अन्य सह-आरोपियों के साथ साजिश में शामिल होने की ओर इशारा करती है। अदालत ने कहा कि आरोपी के खिलाफ लगाए गए आरोप यूएपीए एक्ट के अध्याय 4 और 6 के दायरे में आते हैं। ऐसे मामलों में यूएपीए की धारा 43डी के तहत जमानत देने पर कड़ी पाबंदी है। अदालत ने यह भी कहा कि आरोपी पर पंजाब में दहशत फैलाने और प्रतिबंधित संगठन के निर्देश पर बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने की साजिश में शामिल होने के गंभीर आरोप हैं।

मोहाली कोर्ट काम्प्लेक्स की फाइल फोटो

कोर्ट ने ट्राइपोड टेस्ट पर भी किया विचार

अदालत ने कहा कि धारा 43(डी) के तहत जमानत पर लगी रोक ही याचिका खारिज करने के लिए पर्याप्त है। इसके बावजूद अदालत ने जमानत के लिए लागू ट्राइपोड टेस्ट यानी आरोपी के फरार होने की आशंका, गवाहों को प्रभावित करने और सबूतों से छेड़छाड़ की संभावना पर भी विचार किया। अदालत के अनुसार मामले की गंभीरता, अपराध की प्रकृति और जांच के दौरान जुटाई गई सामग्री को देखते हुए आरोपी को जमानत देने पर उसके अदालत की प्रक्रिया से भागने, गवाहों को प्रभावित या डराने तथा सबूतों से छेड़छाड़ करने की आशंका है।

इंस्टाग्राम के जरिये आतंकी नेटवर्क से जुड़ने का आरोप

एनआईए की जांच के अनुसार सैदुल अमीन ने वर्ष 2024 में इंस्टाग्राम के जरिये सह-आरोपी मनीष उर्फ काका राणा उर्फ अजय कुमार से संपर्क किया था। इसके बाद वह कथित तौर पर आतंकी नेटवर्क से जुड़ गया और उसे आर्थिक सहायता भी मिली। जांच में सामने आया कि बाद में उसका संपर्क सह-आरोपी कुलबीर सिंह सिद्धू से हुआ, जिसे एनआईए ने उसका मुख्य हैंडलर बताया है।

यूपी से पंजाब पहुंचकर की थी रेकी

एनआईए के मुताबिक कुलबीर सिंह सिद्धू के निर्देश पर सैदुल अमीन उत्तर प्रदेश से पंजाब आया था। उसने 5 और 6 अप्रैल 2025 को कथित तौर पर निशाने वाली जगह की रेकी की। इसके बाद 7 अप्रैल को टांडा, होशियारपुर में एक गुप्त स्थान से हैंड ग्रेनेड हासिल किया।

रात करीब एक बजे घर के बाहर फेंका था ग्रेनेड

7-8 अप्रैल 2025 की दरमियानी रात करीब एक बजे कुछ लोगों ने मनोरंजन कालिया के घर के बाहर ग्रेनेड फेंका था। ग्रेनेड मुख्य गेट के पास गिरा, जिससे गेट और घर के अंदर खड़ी इनोवा कार क्षतिग्रस्त हो गई थी। एनआईए के अनुसार आरोपी का मकसद घर में मौजूद लोगों को नुकसान पहुंचाने के साथ आम लोगों में दहशत और अराजकता फैलाना था।

वारदात के बाद जालंधर रेलवे स्टेशन के पास छोड़े कपड़े और बैग

जांच के अनुसार वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने जालंधर रेलवे स्टेशन के नजदीक अपने कपड़े और बैग छोड़ दिए थे। एनआईए ने जांच के दौरान इन घटनाक्रमों और आरोपियों के बीच संपर्क को साजिश से जोड़ते हुए सैदुल अमीन की भूमिका सामने रखी। अदालत ने उपलब्ध सामग्री के आधार पर उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी।

एनआरआई का प्लॉट हड़पने के मामले में आरोपी की जमानत खारिज

अदालत ने कहा- जीपीए की प्रामाणिकता जांचे बिना खरीदारी में भूमिका निभाने का आरोप, जांच अभी जारी

मोहाली/यूटर्न/19 अगस्त। सनी एन्क्लेव में कथित जाली दस्तावेजों के जरिए एनआरआई का प्लॉट हड़पने के मामले में नामजद आरोपी दलवीर सिंह निवासी खरड़ की नियमित जमानत याचिका अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने खारिज कर दी। अदालत ने मामले की गंभीरता और जांच अभी जारी होने के तथ्य को देखते हुए आरोपी को जमानत देने से इनकार कर दिया। अदालत में पेश तथ्यों के मुताबिक दलवीर सिंह पर आरोप है कि उसने अपनी पत्नी और सह-आरोपी अमनदीप कौर की ओर से विवादित संपत्ति की खरीद में भूमिका निभाई। मामले में सामने आया कि संपत्ति के मूल मालिक कर्म सिंह की वर्ष 2021 में मौत हो चुकी थी, जबकि उसके नाम पर पेश किया गया जीपीए वर्ष 2025 का बताया गया है।

बिक्री विलेख के गवाहों की भूमिका भी जांच के घेरे में...जांच के दौरान बिक्री विलेख में गवाह बने लोगों की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। अदालत ने माना कि मामले की जांच अभी पूरी नहीं हुई है और एक सह-आरोपी की गिरफ्तारी भी बाकी है। ऐसे में आरोपी को इस स्तर पर जमानत देने का कोई पर्याप्त आधार नहीं बनता।

पत्नी की ओर से खरीदार बनकर पेश हुआ था आरोपी...अदालत ने कहा कि दलवीर सिंह बिक्री विलेख में अपनी पत्नी की ओर से खरीदार के रूप में पेश हुआ था। ऐसे में यह मानना मुश्किल है कि उसने संबंधित जीपीए की प्रामाणिकता की जांच नहीं की होगी। अदालत ने इसी आधार पर आरोपी की भूमिका को प्रथम दृष्टया गंभीर माना।

चेक से भुगतान का दावा, पत्नी ने बताया नकद...पुलिस के अनुसार 1 दिसंबर 2025 को तैयार बिक्री विलेख में संपत्ति की कीमत का भुगतान चेक के माध्यम से होना दशार्या गया था। वहीं आरोपी की पत्नी की ओर से कथित तौर पर भुगतान नकद किए जाने की बात कही गई। जांच में पुलिस ने दावा किया कि संपत्ति की खरीद के लिए वास्तव में कोई भुगतान नहीं हुआ था और कथित लेनदेन का उद्देश्य प्लॉट पर कब्जा करना था।

192 वर्ग गज के प्लॉट से जुड़ा है मामला...शिकायतकर्ता ने गांव फतेहउल्लापुर में 192 वर्ग गज का प्लॉट नंबर 4248 खरीदा था। आरोप है कि इसी संपत्ति को हड़पने के लिए कथित तौर पर जाली दस्तावेज और बिक्री विलेख तैयार किए गए। मामले में अमनदीप कौर, दलवीर सिंह, विनोद कुमार, निर्मल चंद और कर्म सिंह को नामजद किया गया है। सह-आरोपी निर्मल चंद की गिरफ्तारी अभी बाकी है। अदालत ने सभी तथ्यों और मामले की परिस्थितियों को देखते हुए कहा कि दलवीर सिंह को नियमित जमानत पर रिहा करने का कोई आधार नहीं बनता। इसके साथ ही उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई।

25 CCTV कैमरों की मांग, अब बराड़ा नगर पालिका के फैसले पर टिकी शहर की सुरक्षा

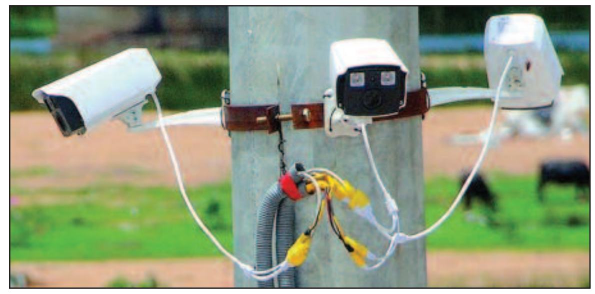

अमरिंदर सिंह

बराड़ा/यूटर्न/19 अगस्त। बराड़ा शहर की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक महत्वपूर्ण सवाल सामने आया है। पुलिस चौकी बराड़ा ने शहर में चोरी, नशा तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर नजर रखने के लिए विभिन्न प्रमुख स्थानों पर CCTV कैमरे लगाने की मांग की है। इस संबंध में नगर पालिका चेयरमैन को पत्र भेजा गया है। पुलिस चौकी की ओर से भेजे गए पत्र में शहर के प्रमुख चौकों, रेलवे स्टेशन, अंडरब्रिज, अनाज मंडी और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों सहित कई जगहों पर कैमरे लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। प्रस्तावित सूची के अनुसार लगभग 25 CCTV कैमरे लगाए जाने हैं।सवाल यह है कि जब पुलिस ने स्वयं सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कैमरों की आवश्यकता बताई है, तो अब इस प्रस्ताव पर कार्रवाई कब होगी? शहरवासियों का मानना है कि आज के समय में CCTV कैमरे केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। किसी चोरी, दुर्घटना या आपराधिक घटना के बाद फुटेज जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। ऐसे में प्रस्ताव पर देरी होने की स्थिति में सुरक्षा से जुड़े सवाल उठना स्वाभाविक है।महाराणा प्रताप चौक, क्वालिटी चौक, रेलवे स्टेशन, अंडरब्रिज, रजौली रोड, अनाज मंडी और बराड़ा गांव के कई स्थानों को कैमरे लगाने के लिए चिन्हित किया गया है। अब लोगों की नजर इस बात पर है कि नगर पालिका इस मांग को कितनी प्राथमिकता देती है।मुद्दा सीधा है— क्या बराड़ा में कोई बड़ी घटना होने के बाद सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाएगी, या फिर समय रहते CCTV कैमरे लगाकर अपराध और संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी शुरू की जाएगी?अब नगर पालिका प्रशासन के अगले कदम पर सबकी नजर है। शहरवासियों को इंतजार है कि पुलिस चौकी की इस मांग पर केवल पत्राचार होगा या जल्द ही धरातल पर CCTV कैमरे भी नजर आएंगे।

पेशाब करने से रोकने पर पेंटर की हत्या, चार दोषियों को उम्रकैद

मोहाली/यूटर्न/19 अगस्त। घर के पास गली में पेशाब करने से रोकने पर हुए विवाद में पेंटर संजय यादव की हत्या करने के मामले में स्थानीय अदालत ने चार दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने दोषी राज कुमार यादव, प्रदीप सिंह उर्फ कल्लू, मनोज कुमार और अखिल उर्फ चंदू पर कुल 72-72 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने दोषियों की पारिवारिक परिस्थितियों के आधार पर सजा में नरमी बरतने की अपील को खारिज कर दिया।

जून 2020 में हुआ था विवाद

मामला 27 जून 2020 का है। रिकॉर्ड के अनुसार, पेंटर का काम करने वाला संजय यादव अपने घर के पास गली में कुछ लोगों को पेशाब करते देख रहा था। संजय ने इसका विरोध किया तो आरोपियों के साथ उसकी बहस हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और चारों ने संजय पर धारदार और नुकीले हथियारों से हमला कर दिया। हमले में संजय के सिर सहित शरीर पर गंभीर चोटें आईं। उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बाद में चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले की जांच के बाद चारों आरोपियों के खिलाफ अदालत में चालान पेश किया था।

हत्या में उम्रकैद और 50 हजार रुपये जुमार्ना

अदालत ने चारों दोषियों को आईपीसी की धारा 149 के साथ धारा 302 के तहत उम्रकैद और प्रत्येक को 50 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई। जुमार्ना नहीं भरने पर छह महीने की अतिरिक्त कठोर कैद भुगतनी होगी। इसी तरह धारा 149 के साथ धारा 450 के तहत 10 साल की कठोर कैद और प्रत्येक को 20 हजार रुपये जुमार्ना लगाया गया। जुमार्ना न भरने पर तीन महीने की अतिरिक्त कठोर कैद होगी। आईपीसी की धारा 148 के तहत भी प्रत्येक दोषी को तीन साल की कठोर कैद और दो हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई गई।

पेज 12 सैनिक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी...

SGPC ने 'बंदी सिखों' की रिहाई के लिए 21 अगस्त को पंजाब बंद के आह्वान का समर्थन किया

चंडीगढ़/यूटर्न/19 अगस्त। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (SGPC) ने 'कौमी इंसाफ मोर्चा' द्वारा 'बंदी सिखों' की रिहाई की मांग को लेकर 21 अगस्त को बुलाए गए पंजाब बंद का समर्थन किया है। SGPC ने यह भी घोषणा की है कि बंद के दिन उसके सभी कार्यालय और संस्थान बंद रहेंगे।

SGPC के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि संगठन ने हमेशा 'बंदी सिखों' की रिहाई के मुद्दे का समर्थन किया है और उनकी रिहाई के लिए शांतिपूर्ण प्रयासों के साथ खड़ा रहेगा। यह फैसला 'कौमी इंसाफ मोर्चा' द्वारा उन सिख कैदियों की लगातार कैद के खिलाफ फिर से शुरू किए गए अभियान के बीच आया है, जिनके बारे में समर्थकों का तर्क है कि उन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली है या वे रिहाई के पात्र हैं। मोर्चे ने इस महीने की शुरूआत में चंडीगढ़-मोहाली सीमा पर पुलिस के साथ टकराव के बाद राज्यव्यापी बंद की घोषणा की थी।

धामी ने जनता की भावनाओं को समझने के बजाय इस मुद्दे को उठाने वाली आवाजों को दबाने की कथित कोशिश के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि न्याय के लिए प्रतिबद्ध लोगों को ऐसे रवैये का विरोध करना चाहिए। SGPC ने अपनी अंतरिम समिति की बैठक का समय भी बदल दिया है, जो मूल रूप से 21 अगस्त को होनी थी। अब यह बैठक 22 अगस्त को सुबह 11 बजे अमृतसर में SGPC मुख्यालय में होगी।

शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह मान ने भी बंद के आह्वान का समर्थन किया है। उम्मीद है कि 21 अगस्त का बंद 'बंदी सिखों' के मुद्दे को पंजाब की राजनीतिक और सामाजिक चर्चा के केंद्र में वापस लाएगा। 'कौमी इंसाफ मोर्चा' ने राज्य भर के लोगों और विभिन्न संगठनों से शांतिपूर्ण ढंग से बंद का समर्थन करने की अपील की है।

यह बंद पंजाब में उग्रवाद के दौर से जुड़े मामलों में दोषी ठहराए गए कैदियों की रिहाई के लिए लंबे समय से चल रहे अभियान के बाद हो रहा है। इस अभियान को धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक संगठनों से व्यापक समर्थन मिल रहा है। अब जब SGPC ने आधिकारिक तौर पर बंद का समर्थन किया है और अपने संस्थानों को बंद करने का फैसला किया है, तो राज्य भर में इस बंद का महत्व और बढ़ने की संभावना है।

पंचकूला पुलिस के 30 हवलदार बने एएसआई, पुलिस कमिश्नर ने लगाए स्टार

कपिल नागपाल

पंचकूला/यूटर्न/19 अगस्त। पंचकूला पुलिस के 30 हवलदारों को सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) के पद पर पदोन्नति मिली है। पुलिस आयुक्त कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पुलिस कमिश्नर आईपीएस पंकज नैन ने पदोन्नत पुलिसकर्मियों के कंधों पर स्टार लगाकर उन्हें बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। पंकज नैन ने कहा कि पदोन्नति के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ती हैं। सभी पुलिसकर्मी अपने नए पद की गरिमा बनाए रखते हुए ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण से ड्यूटी निभाएं। डीसीपी पंचकूला आईपीएस अदिति सिंह और डीसीपी क्राइम एंड ट्रैफिक आईपीएस अमरिंदर सिंह ने भी पदोन्नत पुलिसकर्मियों को बधाई दी।

पदोन्नत पुलिसकर्मियों में सुरजीत सिंह, धनी राम, सोहन लाल, विजय कुमार, अजय कुमार, प्रदीप कुमार, नरेंद्र कुमार, हरदीप, सत्यवान सिंह, सुनील दीक्षित, दिनेश, सतीश कुमार, पवन कुमार, डिम्पल कुमार, चरण सिंह, अमित कुमार, राम निवास, नरेश कुमार, कश्मीर सिंह, विकास आनंद, रामचंद्र, पवनेश कुमार, अनिल कुमार, प्रवीन कुमार, ज्वाला सिंह, लीला राम, गुरविंदर सिंह और सैयद खान सहित अन्य शामिल हैं। विभागीय कार्यों के कारण सभी पदोन्नत पुलिसकर्मी समारोह में उपस्थित नहीं हो सके।

लिव-इन पार्टनर पर शादी का झांसा देकर मारपीट व शारीरिक शोषण के आरोप

जीरकपुर/यूटर्न/19 अगस्त। जीरकपुर में एक युवती ने अपने लिव-इन पार्टनर पर शादी का झांसा देकर नशीला पदार्थ देने, शराब पिलाने, मारपीट करने और जबरन शारीरिक संबंध बनाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत के आधार पर जीरकपुर पुलिस ने आरोपी गणेश पांडे के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सभी आरोप फिलहाल युवती के बयान पर आधारित हैं और उनकी जांच की जा रही है।

करीब 30 वर्षीय युवती ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उसकी गणेश पांडे से वर्ष 2018 में फरीदाबाद में मुलाकात हुई थी। बाद में दोनों के बीच दोस्ती हो गई। युवती के अनुसार, सितंबर 2023 में वह गणेश के साथ जीरकपुर आई और दोनों किराए के मकान में साथ रहने लगे। युवती का आरोप है कि गणेश ने उससे शादी करने का वादा किया और इसी भरोसे पर संबंध बनाए। उसने यह भी आरोप लगाया कि इस दौरान उसे नशीली दवा दी गई। शराब पिलाई गई और मारपीट की गई। परिवार की ओर से उसके लापता होने की शिकायत करने पर फरीदाबाद पुलिस दोनों को वहां ले गई थी। युवती के मुताबिक, बाद में वह अपनी इच्छा से दोबारा गणेश के साथ जीरकपुर आ गई।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जीरकपुर लौटने के बाद भी युवक ने मारपीट जारी रखी। 11 अगस्त को दोनों के बीच विवाद हुआ और युवती ने आरोप लगाया कि मारपीट में वह घायल होकर बेहोश हो गई। बाद में उसे ढकोली सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस के अनुसार, 17 अगस्त को अस्पताल से सूचना मिलने पर जांच अधिकारी मौके पर पहुंचे और युवती का बयान दर्ज किया। प्रारंभिक जांच के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2) और 126(2) के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की गई है।

प्रोटेक्टेड पीसीआई से दो बुजुर्ग हार्ट मरीजों को मिला नया जीवन

कपिल नागपाल

पंचकूला/यूटर्न/19 अगस्त। जानलेवा हृदय रोगों से जूझ रहे पंचकूला के दो बुजुर्ग मरीजों का लिवासा अस्पताल, मोहाली में 'प्रोटेक्टेड एंजियोप्लास्टी विथ स्टेंटिंग' के जरिए सफल इलाज किया गया। बुधवार को पंचकूला में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान चेयरमैन-कार्डियक साइंसेज डॉ. हरिंदर के. बाली ने बताया कि जटिल प्रक्रिया के दौरान रक्त संचार बनाए रखने के लिए मैकेनिकल हार्ट पंप 'इम्पेला' का इस्तेमाल किया गया। पहले मामले में 78 वर्षीय पुरुष मरीज की तीनों कोरोनरी धमनियां गंभीर रूप से ब्लॉक थीं। ओसीटी इमेजिंग की निगरानी में लेफ्ट मेन बायफर्केशन और राइट कोरोनरी आर्टरी की स्टेंटिंग की गई तथा पांच स्टेंट लगाए गए। मरीज को दो दिन बाद छुट्टी दे दी गई और दो साल बाद भी वह स्वस्थ हैं। दूसरे मामले में 80 वर्षीय महिला गंभीर हार्ट अटैक और कार्डियोजेनिक शॉक के खतरे के साथ भर्ती हुई थीं। इम्पेला सपोर्ट के जरिए बायीं मुख्य धमनी की एंजियोप्लास्टी और स्टेंटिंग की गई। डॉ. बाली ने कहा कि प्रोटेक्टेड पीसीआई उच्च जोखिम वाले मरीजों में जटिल कोरोनरी इलाज को संभव बनाती है। सीईओ अनुराग यादव ने उन्नत हृदय देखभाल सुविधाएं उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई।

कराटे में इंटट-यूएसएएन के खिलाड़ियों का जलवा, गुरजिंदर जिला स्तर के लिए चयनित

लुधियाना/यूटर्न/19 अगस्त। भारतीय विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, ऊधम सिंह नगर के विद्यार्थियों ने पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी में आयोजित जोनल स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में स्कूल के 18 विद्यार्थियों ने अलग-अलग आयु वर्गों में हिस्सा लिया। 19 वर्षीय आयु वर्ग में 12वीं कक्षा के गुरजिंदर सिंह ने प्रथम स्थान हासिल कर जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए जगह बनाई। नौवीं कक्षा के वैभव ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। कुलराज सिंह और प्रियांशु ने अपने-अपने वर्ग में रजत पदक जीते। वहीं 14 और 17 वर्षीय आयु वर्ग में अग्रिम, नक्ष मल्होत्रा, देवांश कश्यप, आर्यन और दक्ष नय्यर ने कांस्य पदक अपने नाम किए। प्रधानाचार्य पवन सूद ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल अनुशासन, धैर्य, नेतृत्व और आत्मविश्वास को मजबूत करते हैं। उन्होंने गुरजिंदर सिंह और कोच संजीव ठाकुर को जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन पर विशेष शुभकामनाएं दीं।

Happy Birthday

Hargunpreet Singh

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

Dry Cleaner कपड़े खराब कर दे तो क्या ग्राहक मुआवजा मांग सकता है?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

हम अपने महंगे कपड़े Dry Cleaner को इस भरोसे पर देते हैं कि उन्हें सही तरीके से साफ करके वापस किया जाएगा। लेकिन कई बार कपड़े का रंग खराब हो जाता है, कपड़ा सिकुड़ जाता है या उस पर दाग लग जाते हैं। ऐसे में सवाल उठता है—क्या Dry Cleaner इसके लिए जिम्मेदार हो सकता है?

उत्तर है—हाँ, कुछ परिस्थितियों में।

जब हम किसी Dry Cleaner को कपड़े साफ करने के लिए देते हैं, तो हम उसकी एक Service लेते हैं। यदि Service में लापरवाही या कमी के कारण कपड़े को नुकसान होता है, तो इसे Deficiency in Service माना जा सकता है। Consumer Protection Act, 2019 में सेवा में कमी या लापरवाही को उपभोक्ता शिकायत का आधार माना गया है।

उदाहरण के लिए, यदि कपड़े के Label पर साफ लिखा है कि उसे किसी विशेष तरीके से साफ करना है, लेकिन Dry Cleaner ने गलत तरीके से Cleaning की और कपड़ा खराब हो गया, तो ग्राहक के पास शिकायत का आधार हो सकता है।

लेकिन हर खराब परिणाम के लिए Dry Cleaner को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। यह भी देखा जाएगा कि कपड़ा पहले से खराब था या नहीं, उसके Care Instructions क्या थे और नुकसान वास्तव में Cleaning की लापरवाही से हुआ या नहीं। इसलिए कपड़े देते समय Receipt जरूर लें और उसमें कपड़ों की संख्या, प्रकार और यदि संभव हो तो उनकी स्थिति का विवरण दर्ज करवाएं। महंगे कपड़ों के मामले में कपड़े की कीमत का Bill भी संभालकर रखें।

यदि कपड़े वापस मिलने पर उनमें कोई नुकसान दिखाई दे, तो तुरंत Dry Cleaner को इसकी जानकारी दें। जरूरत पड़ने पर फोटो, Receipt और भुगतान का रिकॉर्ड सुरक्षित रखें।

निष्कर्ष: Dry Cleaner को दिए गए कपड़े की Service में लापरवाही के कारण नुकसान होता है, तो ग्राहक उचित मुआवजे की मांग कर सकता है। महंगे कपड़े देते समय Receipt लेना और उनकी स्थिति का रिकॉर्ड रखना हमेशा समझदारी है।

श्री बालाजी के सिद्ध दरबार में सच्चे मन से की गई अरदास होती है पूरी : अमन जैन

जोशी नगर धाम में संध्या चौकी के दौरान उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

लुधियाना/यूटर्न/19 अगस्त। सिद्ध पीठ महाबली संकटमोचन श्री हनुमान मंदिर, जोशी नगर धाम, शंकराचार्य नगर में साप्ताहिक संध्या चौकी श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के वातावरण में आयोजित की गई। कार्यक्रम मंदिर प्रधान अमन जैन, चेयरमैन ऋषि जैन और उपप्रधान अनुज मदान की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सिद्ध दरबार में विराजमान श्री बालाजी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। संध्या चौकी में भजन गायक शंकर व मुकेश एंड पार्टी ने भक्तिमय भजनों के माध्यम से श्री बालाजी महाराज की महिमा का गुणगान किया। इस दौरान श्री सालासर धाम और श्री मेहंदीपुर बालाजी धाम के पावन छींटे श्रद्धालुओं पर किए गए। श्री बालाजी महाराज के समक्ष पवित्र ध्वज फहराकर विश्व शांति, सुख-समृद्धि और मानव कल्याण की कामना की गई। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक श्री हनुमान चालीसा का पाठ कर प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर एडवोकेट जसविंदर सिंह सिब्बल ने भी सिद्ध दरबार में नतमस्तक होकर बार एसोसिएशन के प्रधान पद के चुनाव के लिए आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि श्री बालाजी के दरबार में सच्चे मन से आने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। अमन जैन, ऋषि जैन और अनुज मदान ने कहा कि श्रद्धा से की गई अरदास कभी व्यर्थ नहीं जाती। उन्होंने बताया कि एक सितंबर से मंदिर प्रांगण में श्रीमद्भागवत कथा के अंतर्गत श्रीकृष्ण कथा का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर सौरव जैन, सोमनाथ मड़कन, ज्योति गुप्ता, संजय गुप्ता, अरविंद टिल्लू, नरिंदर नथानी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सड़क पार कर रही युवती को बाइक ने मारी टक्कर, चालक फरार

जीरकपुर/यूटर्न/19 अगस्त। ऑक्सफोर्ड स्ट्रीट के सामने सड़क पार कर रही एक युवती को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से युवती सड़क पर गिरकर बेहोश हो गई, जबकि बाइक सवार मौके से फरार हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल 112 पर कॉल कर हादसे की सूचना दी। सूचना मिलते ही सड़क सुरक्षा फोर्स में तैनात मनप्रीत सिंह, मनजिंदर सिंह और महक मौके पर पहुंचे। टीम ने घायल युवती को बिना समय गंवाए डेराबस्सी अस्पताल पहुंचाया। घायल की पहचान रितिका के रूप में हुई। अस्पताल में उपचार के बाद हालत में सुधार होने पर उसे छुट्टी दे दी गई। बताया गया कि रितिका मूल रूप से हरियाणा के अंबाला जिले के साहा की रहने वाली है और वर्तमान में अपनी बहन के साथ जीरकपुर में रहती है। वह जीरकपुर की एक निजी कंपनी में नौकरी करती है।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

वंदे मातरम की इतनी महिमा क्यों मानी जा रही है?

वंदे मातरम भारत का एक अत्यंत प्रसिद्ध और सम्मानित राष्ट्रीय गीत है। इसकी रचना महान साहित्यकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय ने की थी। इसका अर्थ है-हे मातृभूमि, मैं तुम्हें नमन करता हूँ। यह गीत भारत की स्वतंत्रता की भावना और देशभक्ति का प्रतीक बन गया था।

स्वतंत्रता आंदोलन के समय वंदे मातरम ने लोगों में एकता, साहस और देश के प्रति प्रेम की भावना जगाई। अनेक स्वतंत्रता सेनानी इसे प्रेरणा के रूप में गाते थे। इस गीत में भारतभूमि को माँ के रूप में चित्रित किया गया है, इसलिए भारतीयों के लिए इसका विशेष भावनात्मक महत्व है।

आज भी वंदे मातरम हमें अपने देश की संस्कृति, प्रकृति और स्वतंत्रता के लिए किए गए संघर्ष की याद दिलाता है। इसकी महिमा केवल एक गीत के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्रप्रेम और मातृभूमि के प्रति सम्मान के प्रतीक के रूप में मानी जाती है। हमें इसके ऐतिहासिक महत्व को समझते हुए सभी देशवासियों और उनकी भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। यह गीत हमें अपने देश के प्रति कर्तव्य निभाने और भारत की एकता एवं अखंडता को मजबूत बनाए रखने की प्रेरणा देता है।

कम्बास का प्राचीन शिव मंदिरः आस्था, इतिहास और स्वयं प्रकट शिवलिंग की मान्यता

आजादी से पहले से जुड़ा है मंदिर का इतिहास, दूर-दराज से दर्शन करने पहुंचते हैं श्रद्धालु

अमरिंदर सिंह

बराड़ा/यूटर्न/19 अगस्त। बराड़ा क्षेत्र के गांव कम्बास में स्थित प्राचीन शिव मंदिर वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है। मंदिर की विशेष पहचान यहां विराजमान शिवलिंग से जुड़ी स्थानीय मान्यता है, जिसे श्रद्धालु स्वयं प्रकट शिवलिंग के रूप में पूजते हैं।स्थानीय लोगों के अनुसार मंदिर का इतिहास आजादी से पहले का बताया जाता है। समय के साथ मंदिर केवल गांव ही नहीं, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था का भी प्रमुख केंद्र बन गया।

प्रतिदिन यहां भगवान शिव के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालु पहुंचते हैं। मंदिर की प्राचीनता और स्वयं प्रकट शिवलिंग से जुड़ी मान्यता श्रद्धालुओं के बीच विशेष महत्व रखती है। लोगों का विश्वास है कि सच्चे मन से भगवान शिव की आराधना करने पर उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसी आस्था के साथ भक्त मंदिर पहुंचकर अपने परिवार की सुख-शांति और क्षेत्र की खुशहाली की कामना करते हैं।विशेष रूप से सावन माह और महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जाती है। इन अवसरों पर दूर-दराज के क्षेत्रों से भी शिव भक्त दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं, जिससे पूरा वातावरण शिवमय हो उठता है।

श्री राम शरणम दरेसी में 'राम राम कहिए' भजन किया गया रिलीज

लुधियाना/यूटर्न/19 अगस्त। श्री राम शरणम्-दरेसी में गायक राहुल जैरथ द्वारा गाए गए भजन राम राम कहिए को श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में रिलीज किया गया। भजन को आदरणीय भाई साहब दविंदर सूद द्वारा रिलीज किया गया। इस अवसर पर धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समाज सेवक विनय धीर ने बताया कि धार्मिक गायक कुमार संजीव की प्रेरणा से राहुल जैरथ ने इस भजन को अपनी आवाज दी है। भजन का संगीत गगन सिद्धू ने तैयार किया है, जबकि इसके लेखक कुमार संजीव हैं। वीडियो का निर्माण करण दुरेजा द्वारा किया गया है। यह भजन केएस म्यूजिक कंपनी के रोहित मेहरा की पेशकश है और अब सभी प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सुना व देखा जा सकता है।

मेयर का चार्ज लेते ही ग्राउंड पर एक्टिव हुए सीनियर डिप्टी मेयर, शेरपुर चौक व सराभा नगर में खराब सड़क की मुरम्मत करवाई

शेरपुर चौक के पास सड़क की मुरम्मत की गई, सराभा नगर अंडरपास की सड़क भी दरुस्त की गई

लुधियाना/यूटर्न/19 अगस्त। कुछ दिनों के लिए विदेश दौरे पर गई मेयर प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर की जगह मंगलवार को सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर ने पत्र जारी कर चार्ज ले लिया है। मेयर का चार्ज लेते ही पूरी तरह से एक्टिव हो गए हैं। जिसके चलते बुधवार को सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर खुद सड़कों पर उतरे और लोगों की शिकायतें हल करवाई। वह हलका साउथ में ढोलेवाल मिलिट्री कैंप के आस-पास के इलाकों में सड़क की स्थिति देखने पहुंचे। उनके साथ रोड रोलर, लुक, मिट्टी और अन्य जरूरी सामान भी मौजूद था। इस दौरान जहां भी सड़क टूटी हुई मिली, वहां तत्काल लुक डलवाकर उसकी मरम्मत करवाई गई। वहीं सराभा नगर अंडरपास की सड़क भी दरुस्त करवाई गई।

पिछले कई दिनों से राकेश पराशर को हलका दक्षिणी व वेस्ट के अलग-अलग इलाकों से शिकायतें मिल रही थीं कि सड़कों की हालत खराब है। खस्ताहाल सड़कों के कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, रात के समय सड़क पर टूटे हिस्से और गड्ढे दिखाई नहीं देने के कारण कई लोग हादसों का शिकार भी हो रहे हैं। लोगों की समस्या का समाधान करने के लिए राकेश पराशर ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचकर सड़कों का जायजा लिया। उन्होंने सड़क पर टूटे हिस्सों को चिह्नित करवाया और तुरंत वहां लुक डलवाकर मरम्मत का काम शुरू करवाया। सड़क पर डाली गई लुक को रोड रोलर की मदद से दबाकर सड़क को समतल किया गया।

ठेके के बाहर शराब पीने वालों को निहंगों ने पीटा, कान पकड़कर बैठक लगवाई

लुधियाना/यूटर्न/19 अगस्त। गिल रोड पर शराब ठेके के बाहर खड़े होकर शराब पीकर महिलाओं को गलत कमेंट करने वाले शराबियों को निहंग सिंहों ने पकड़ लिया। पहले वॉर्निंग देने के बावजूद जब वे नहीं माने तो निहंगों ने उनकी पिटाई की। जिसके बाद उनसे कान पकड़कर उठक-बैठक करवाई। निहंगों का दल मंगलवार शाम मेन रोड स्थित शराब ठेके के बाहर पहुंचा, जहां कई लोग सड़क किनारे गिलास लेकर शराब पी रहे थे। निहंगों को देखते ही कई लोग मौके से भाग गए, जबकि आधा दर्जन से ज्यादा युवकों को रोक लिया गया। बाबा प्रगट सिंह खालसा की अगुवाई में निहंगों ने युवकों को खुले में शराब पीने से रोका। निहंगों का कहना है कि ये युवक ठेके के बाहर हुड़दंग मचाते और युवतियों पर फबतियां कसते हैं। इसकी शिकायतें पहले भी मिलती रही हैं। उन्होंने ठेका संचालक को भी चेतावनी दी कि शराब और डिस्पोजल गिलास देकर लोगों को सड़क पर बैठाकर न पिलाया जाए। घटना का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है। हालांकि, मामले में पुलिस की ओर से अभी कोई आधिकारिक बयान या कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि इन लोगों को पहले चेतावनी दी गई थी। लेकिन उसके बावजूद भी न मानने पर निहंगों ने कार्रवाई कर दी। हालांकि इस सड़क से रोजाना पुलिस मुलाजिम गुजरते हैं, जिसके बावजूद भी उनकी तरफ से एक्शन नहीं लिया गया।

बीआरएस नगर के फूड स्टोर पर फायरिंग, बदमाशों ने चलाई अंधाधुंध गोलियां, गैंगस्टर ने ली जिम्मेदारी

लुधियाना/यूटर्न/19 अगस्त। मंगलवार रात को बीआरएस नगर में एक फूड स्टोर पिज्जा फ्रॉम मेक्सिको पर कुछ बदमाशों द्वारा अंधाधुंध फायरिंग कर दी गई। हालांकि इस घटना में कोई जानी नुकसान होने से बचाव हो गया। फायरिंग के बाद हमलावर वहां से फरार हो गए। मामले की सूचना मिलने पर थाना सराभा नगर की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। इस हमले की जिम्मेदारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर गोपी लहोरिया ग्रुप नाम के पेज ने पोस्ट डालकर ली है। इधर सामने आए सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखा है कि हमलावरों ने दुकान में दाखिल होकर गोलियां दागी थीं। पुलिस अब जहां सीसीटीवी के आधार पर शूटरों की तलाश कर रही है, वहीं इस सोशल मीडिया पोस्ट की सत्यता की भी जांच में जुट गई है।

पोस्ट डालकर ली जिम्मेदारी...इंस्टाग्राम पर गोपी लहोरिया ग्रुप के नाम से डाली गई पोस्ट में फायरिंग की जिम्मेदारी ली गई है। पोस्ट में है कि पिज्जा फ्रॉम मेक्सिको, जे-ब्लॉक लुधियाना पर जो फायरिंग हुई वो हमने करवाई है। इसको हमारे फोन दिखते नहीं थे, इग्नोर करता था, उस करके छोटा सा ट्रेलर दिया है। अगली बार सीधा माथे में गोली लगेगी। काम-कार, जिंदगी, घर-परिवार सारा कुछ आगे है तुम्हारा और हम तो मरे हुए हैं, मरता बंदा जाते-जाते बहुतों को ले जाता है। भूले हम किसी को भी नहीं हैं, सभी का पता है और सब पर निगाह है हमारी। जिस दिन मौका मिला, तो तुम्हें एम्बुलेंस ही लेकर जाएगी। हालांकि हम इस पोस्ट की पुष्टि नहीं करते।

झंसी रानी चौक पर मंडरा रहा बड़ा खतरा: चार महीने से गायब है रेलवे पुल की रेलिंग

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/19/अगस्त। जहाँ एक ओर प्रशासन सुरक्षा के दावे करता है, वहीं जगरांव में झांसी रानी चौक के पास रेलवे पुल की अनदेखी किसी बड़े हादसे को न्यौता दे रही है। सड़क निर्माण के दौरान हटाई गई सुरक्षा रेलिंग को बीते चार महीने बीत चुके हैं, लेकिन आज तक दोबारा नहीं लगाया गया है। हालात यह हैं कि रोजाना हजारों वाहन गलत दिशा से गुजरते हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और इसी वजह से राहगीरों में झगड़ा होना आम बात हो गई है।

इस गंभीर लापरवाही पर जब पीडब्ल्यूडी (PWD) के एक्सईएन कमलजीत सिंह से बात की गई, तो उनका अजीबोगरीब बयान सामने आया। उन्होंने कहा कि ₹पुरानी रेलिंग मिलने के बाद या अखारा नहर पुल के पास पड़ी रेलिंग को लगा दिया जाएगा। जबकि इससे पहले भी दो हफ्ते पहले उन्होंने एक-दो दिन में काम पूरा होने का भरोसा दिया था। सूत्रों के मुताबिक, गायब रेलिंग नगर परिषद जगरांव के कार्यालय में पड़ी है। वहीं, जेई करमजीत सिंह का कहना है कि ड्यूटी लगा दी गई है और जल्द ही काम शुरू कर दिया जाएगा। सवाल यह उठता है कि क्या प्रशासन किसी बड़े जानलेवा हादसे के इंतजार में बैठा है? अब देखना यह होगा कि आम जनता की सुरक्षा के प्रति प्रशासन की आंखें कब खुलती हैं।

लुधियाना में हैंड ग्रेनेड कांड में शामिल बंबीहा गैंग के 3 बदमाश मलेशिया से गिरफ्तार, पाक आईएसआई से था लिंक

लुधियाना/यूटर्न/19 अगस्त। लुधियाना पुलिस ने ट्रांसनेशनल संगठित अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मलेशिया से डिपोर्ट कराए गए दविंदर बंबीहा गैंग से जुड़े तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पंजाब पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस विंग की ओवरसीज फ्यूजिटिव ट्रैकिंग एंड एक्सट्रेडिशन सेल (ओएफटीईसी) ने केंद्रीय एजेंसियों की मदद से इन आरोपियों को भारत लाने में सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जसप्रीत सिंह उर्फ जस बेहबल, अजय सिंह और पवनदीप सिंह के रूप में हुई है। तीनों को मलेशिया से डिपोर्ट किए जाने के बाद नई दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया गया। अब उन्हें पंजाब लाकर विभिन्न मामलों में पूछताछ की जा रही है। जसप्रीत सिंह जस बेहलबल को फरीदकोट पुलिस के हवाले किया है। वहां वह एक हत्या के मामले में वांछित है।

गंभीर अपराधों के मामले हैं दर्ज

एडिशनल सीपी रुपिंदर सिंह ने बताया कि तीनों आरोपी कई गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित थे। इनमें हत्या, फिरौती वसूली, विस्फोटक पदार्थों से जुड़े मामले शामिल हैं। आरोपियों पर लुधियाना में हैंड ग्रेनेड से धमाका करने की साजिश में शामिल होने का भी आरोप है। पुलिस जांच में इनके आपराधिक नेटवर्क के तार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े होने की बात सामने आई है।

बराड़ा नगर पालिका पर उठते सवालः विकास हो रहा है या शिकायतों का इंतजार?

अमरिंदर सिंह

बराड़ा/यूटर्न/19 अगस्त। बराड़ा नगर पालिका क्षेत्र में विकास कार्यों के दावे लगातार किए जा रहे हैं। कहीं गलियों का निर्माण शुरू होता है, कहीं बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटें ठीक की जाती हैं और कहीं अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर कार्य किए जा रहे हैं। लेकिन इन सबके बीच एक सवाल लगातार उठ रहा है—क्या समस्याओं का समाधान समय पर हो रहा है या फिर जनता की शिकायत के बाद ही व्यवस्था जागती है ?शहर के कई इलाकों में सड़क, सफाई, जल निकासी और स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधाओं को लेकर समय-समय

पर शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या नगर पालिका के पास वार्डों की समस्याओं की नियमित निगरानी के लिए कोई प्रभावी व्यवस्था है ?जनता यह भी जानना चाहती है कि जब किसी गली की हालत लंबे समय तक खराब रहती है, स्ट्रीट लाइटें बंद रहती हैं या नालियों की समस्या बनी रहती है, तो जिम्मेदार विभाग को इसकी जानकारी पहले क्यों नहीं होती। क्या हर समस्या के लिए लोगों को शिकायत करनी पड़ेगी, या फिर अधिकारी और जनप्रतिनिधि स्वयं भी जमीनी स्तर पर स्थिति का जायजा लेंगे ?विकास कार्य शुरू होना निश्चित रूप से सकारात्मक कदम है, लेकिन सवाल केवल काम शुरू करने का नहीं, बल्कि उसे समय पर और गुणवत्ता के साथ पूरा करने का भी है। जनता को यह जानने का अधिकार है कि विकास कार्यों के लिए कितना बजट स्वीकृत हुआ, काम कब शुरू हुआ, कब तक पूरा होना है और गुणवत्ता की निगरानी कौन करेगा। सबसे महत्वपूर्ण सवाल विकास की प्राथमिकता को लेकर है। क्या नगर पालिका क्षेत्र के सभी वार्डों में जरूरत के अनुसार समान रूप से विकास कार्य हो रहे हैं, या फिर कुछ वार्डों को प्राथमिकता मिल रही है और अन्य क्षेत्रों को इंतजार करना पड़ रहा है ?

बरसात में जलभराव रोकने को शहरवासियों से सहयोग की अपील

जीरकपुर/यूटर्न/19 अगस्त। बरसाती मौसम में शहर की सफाई और पानी की निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए नगर परिषद जीरकपुर के अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह विर्क ने शहरवासियों से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि जलभराव की समस्या को कम करने के लिए नगर परिषद अपने स्तर पर प्रयास कर रही है, लेकिन इसमें आम लोगों की भागीदारी भी जरूरी है।

विर्क ने कहा कि नालियों, सीवरेज और पानी की निकासी वाले रास्तों में कूड़ा-

कर्कट, प्लास्टिक या अन्य ऐसी सामग्री नहीं फेंकी जानी चाहिए, जिससे पानी का बहाव रुक सकता है।

घरों और दुकानों से निकलने वाले कूड़े को निर्धारित स्थानों या कूड़ेदानों में ही डालने की अपील की गई है। उन्होंने कहा कि बरसात के दौरान किसी क्षेत्र में पानी जमा होने या ड्रेनेज से जुड़ी समस्या सामने आने पर इसकी सूचना तुरंत नगर परिषद को दी जाए, ताकि संबंधित टीम मौके पर पहुंचकर समस्या का समाधान कर सके।

सड़कों पर निर्माण सामग्री डालने से बचें...नगर परिषद अध्यक्ष ने निर्माण कार्य कर रहे ठेकेदारों और अन्य लोगों से भी निर्माण सामग्री तथा मलबे का उचित प्रबंधन करने को कहा।

शिमला में ट्रैफिक इंस्पेक्टर पर पर्यटक से बदसलूकी का आरोप, पुलिस अधिकारी द्वारा लिखित माफी के बाद मामला सुर्खियों में

मिलन

शिमला/यूटर्न/19 अगस्त। पंजाब से परिवार सहित शिमला घूमने पहुंचे वरिष्ठ नागरिक तरुण खन्ना और युवराज कौशल ने ट्रैफिक इंस्पेक्टर विकास पर गाली-गलौच, अभद्र व्यवहार और धमकी देने के आरोप लगाए हैं। घटना 13 अगस्त को शाम करीब 6 बजे की बताई गई है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, परिवार में महिलाएं और बच्चे भी मौजूद थे। ट्रैफिक कार्रवाई के दौरान कथित रूप से इंस्पेक्टर विकास ने युवराज कौशल के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और पुलिस स्टेशन ले जाकर मारने की धमकी दी। शिकायतकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि बातचीत के दौरान पंजाब और दिल्ली के लोगों को लेकर आपत्तिजनक एवं भेदभावपूर्ण टिप्पणियां की गईं।

शिकायतकताओं ने मामले को लेकर एसपी शिमला के समक्ष शिकायत दर्ज कराई, जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों ने तुरंत संज्ञान लेते हुए शिकायत को डीएसपी ट्रैफिक चंद्रशेखर को मार्क किया। शिकायतकताओं के अनुसार, डीएसपी ट्रैफिक ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की और संबंधित अधिकारी को तलब किया गया। शिकायतकताओं से मिली जानकारी के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इंस्पेक्टर विकास को फटकार लगाई और शिकायतकताओं से लिखित माफी मांगने को कहा।

इंस्पेक्टर ने गाली गलौच की बात स्वीकार की

लिखित बयान में इंस्पेक्टर विकास ने स्वयं स्वीकार किया कि चालान जारी करते समय उन्होंने शिकायतकर्ता से गाली-गलौच की और धमकी दी। उन्होंने इसके लिए शिकायतकर्ता पक्ष से माफी मांगी और भविष्य में ऐसा व्यवहार दोबारा न करने का आश्वासन दिया। शिकायतकर्ताओं ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि एसपी शिमला गौरव सिंह और डीएसपी ट्रैफिक चंद्रशेखर ने शिकायत का तुरंत संज्ञान लेकर उन्हें सहयोग दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी शिकायत पूरे हिमाचल प्रदेश पुलिस विभाग के खिलाफ नहीं है, बल्कि संबंधित अधिकारी के कथित व्यवहार को लेकर जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए है। शिकायतकर्ता ने मांग की कि संबंधित इंस्पेक्टर के ट्रैफिक चालान रिकॉर्ड की जांच की जाए। देखा जाए कि क्या पंजाब और दिल्ली नंबर वाले वाहनों के खिलाफ उसके द्वारा जारी चालानों की संख्या असामान्य रूप से अधिक है या ऐसे वाहनों के साथ भेदभावपूर्ण अथवा आक्रामक व्यवहार का कोई पैटर्न सामने आता है।

पंजाब चुनाव आ रहे हैं, और जैन जेल जा रहे हैं!

भारतीय राजनीति में चुनावों की एक अजीब आदत है - ये सिर्फ. नेताओं को ही नहीं जगाते। कभी-कभी जांच एजेंसियों में भी अचानक तेजी आ जाती है। तो, जैसे ही पंजाब एक और विधानसभा चुनाव की ओर बढ़ रहा है, दिल्ली के पूर्व मंत्री और अअढ नेता सत्येंद्र जैन को दिल्ली जल बोर्ड भ्रष्टाचार के कथित मामले में गिरफ़्तार कर लिया गया है।

संदीप शर्मा, सम्पादक

सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के टेंडर में कथित गड़बड़ी के मामले में दिल्ली सरकार की एंटी-करप्शन ब्रांच (ACB) ने जैन और पांच अन्य लोगों को गिरफ़्तार किया। एजेंसी ने टेंडर की शर्तों में हेरफेर और पैसों के लेन-देन का आरोप लगाया है। ये गंभीर आरोप हैं और अहम बात यह है कि इन आरोपों को अभी कानूनी कसौटी पर खरा उतरना बाकी है। लेकिन जैन की प्रतिक्रिया ने इसमें राजनीतिक तड़का लगा दिया। उन्होंने दावा किया कि उनकी गिरफ़्तारी पंजाब चुनावों से जुड़ी है। अअढ प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने भी इस आरोप को दोहराया और कहा कि इखढ एक बार फिर अपनी पार्टी को निशाना बनाने के लिए जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है।

अब, इस टाइमिंग को समझने के लिए किसी राजनीतिक ज्योतिषी की जरूरत नहीं है। जैन सिर्फ.एक और अअढ नेता नहीं हैं। वह पंजाब में पार्टी की संगठनात्मक ज़िम्मेदारियों से जुड़े रहे हैं। इसलिए उनकी गिरफ़्तारी से अअढ को एक साफ राजनीतिक तर्क मिल गया है: देखिए, इखढ को दिल्ली में भ्रष्टाचार का पता ठीक तब चला है जब पंजाब चुनावी मैदान में उतरने वाला है।

स्वाभाविक रूप से, इखढ का जवाब सीधा है: भ्रष्टाचार तो भ्रष्टाचार है। ठीक है। लेकिन इस तर्क में एक छोटी सी समस्या है। भारत में, भ्रष्टाचार की जांच की टाइमिंग भी उतनी ही दिलचस्प हो गई है जितना कि खुद भ्रष्टाचार।

सालों से, विपक्षी पार्टियां शिकायत करती रही हैं कि चुनाव नजदीक आते ही केंद्रीय एजेंसियों में अचानक जबरदस्त उत्साह आ जाता है। इखढ का हमेशा से एक ही जवाब रहा है: हमारा एजेंसियों पर कोई कंट्रोल नहीं है; वे स्वतंत्र हैं। बेशक वे स्वतंत्र हैं। और एक और अजीब संयोग यह है कि अक्सर एजेंसियों की राजनीतिक टाइमिंग भी बहुत सटीक होती है।

इसका मतलब यह नहीं है कि जैन बेगुनाह हैं। और न ही उनकी गिरफ़्तारी का मतलब यह है कि मामला अपने आप राजनीतिक रूप से प्रेरित हो गया। अगर अउइ के पास सबूत हैं कि पब्लिक टेंडर में हेरफेर की गई और पैसे का अवैध लेन-देन हुआ, तो जैन और इसमें शामिल सभी लोगों को कानून का सामना करना चाहिए। राजनीति की वजह से जांच से कोई छूट नहीं मिलनी चाहिए। लेकिन BJP को विश्वसनीयता का बुनियादी सिद्धांत भी समझना चाहिए: जब आप बार-बार चुनावों के आस-पास विपक्षी नेताओं की जांच करते हैं, तो लोगों को यह पूछने का हक है कि क्या कैलेंडर भी आपके साथ मिलकर जांच कर रहा है। इस बीच, अअढ को भ्रष्टाचार के हर आरोप को साज़िश बताने से बचना चाहिए। अगर मामला कमजोर है, तो सबूतों को उसे सामने आने दें। अगर मामला मजबूत है, तो अदालतों को दोषी साबित करने दें।

पंजाब के वोटरों की राय अलग हो सकती है। शायद जैन मामले की असली परीक्षा यह नहीं है कि क्या यह पंजाब चुनाव से पहले सुर्खियां बटोरता है। असली परीक्षा यह है कि क्या वोटों की गिनती के बाद भी यह मामला उतना ही जरूरी—और उतना ही मजबूत—बना रहता है। अगर ऐसा होता है, तो इखढ दावा कर सकती है कि यह भ्रष्टाचार का मामला था। अगर ऐसा नहीं होता है, तो केजरीवाल आखिरकार कह सकते हैं: देखिए, मैंने कहा था न—चुनाव ही असली आरोपी था।

कालका-शिमला रेलखंड पर मलबा गिरने से ट्रेन को कोटी में रोका, सेना की मदद से 172 यात्रियों को सुरक्षित पहुंचाया

आर. के. उप्पल

अमृतसर/यू टर्न /19 अगस्त । कालका-शिमला रेलखंड पर प्रतिकूल मौसम के बीच रेलवे द्वारा यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए त्वरित कार्रवाई की गई! 18 अगस्त को गुम्मन-कोटी स्टेशनों के बीच पहाड़ी से मलबा गिरने की सूचना मिली। सुरक्षा के मद्देनजर ट्रेन संख्या 52458 कालका-शिमला एक्सप्रेस को 15:28 बजे कोटी स्टेशन पर रोककर नियंत्रित किया गया।

ट्रेन में सवार थे करीब 172 यात्री

ट्रेन में लगभग 172 यात्री सवार थे। रेलवे ने तत्काल ट्रैक से मलबा हटाने का काम शुरू किया। यात्रियों के आगे के सफर और कनेक्टिंग ट्रेनों को ध्यान में रखते हुए उन्हें सड़क मार्ग से कालका स्टेशन पहुंचाने की व्यवस्था की गई।

बारिश और भारी यातायात के बीच सेना ने बढ़ाया सहयोग का हाथ

लगातार बारिश के कारण कालका और आसपास के क्षेत्रों में सड़क यातायात काफी अधिक था। ऐसी स्थिति में रेलवे ने स्थानीय सेना अधिकारियों के साथ समन्वय कर तीन सेना वाहनों की व्यवस्था की। सेना के वाहन करीब 18:10 बजे कोटी स्टेशन पहुंचे।

19:20 बजे कालका स्टेशन पहुंचे यात्री

सेना के वाहनों के माध्यम से सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से कोटी से कालका रेलवे स्टेशन पहुंचाया गया। यात्री करीब 19:20 बजे कालका स्टेशन पहुंचे। यहां रेलवे की ओर से यात्रियों के लिए पीने के पानी और जलपान की भी व्यवस्था की गई। रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने यात्रियों को आवश्यक सहायता प्रदान की।

रेलवे ने सेना के सहयोग के लिए जताया आभार...रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने में समय पर सहयोग और समन्वय के लिए स्थानीय सेना अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। अम्बाला मंडल ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रतिकूल मौसम के दौरान भी रेल सेवाओं के सुरक्षित एवं सुचारु संचालन के लिए ट्रैक और परिस्थितियों की लगातार निगरानी की जा रही है तथा आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

जर्नैल एन्क्लेव में बैरिकेड को लेकर विवाद, पूर्व पार्षद पर मनमानी के आरोप

जीरकपुर/यूटर्न/19 अगस्त। वार्ड नंबर-30 के अंतर्गत जर्नैल एन्क्लेव फेज-2 में रास्ते पर लगाए गए लोहे के बैरिकेड को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कॉलोनी के कुछ निवासियों ने पूर्व पार्षद नवतेज नवी पर बिना उनकी और प्रशासन की सहमति के बैरिकेड को स्थायी रूप से फिक्स करवाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इस व्यवस्था से आपातकालीन वाहनों और अन्य बड़े वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है। निवासियों के अनुसार कॉलोनी में भारी ट्रकों की आवाजाही रोकने के लिए पहले बैरिकेड लगाया गया था, लेकिन आपात स्थिति को देखते हुए उसे हटाने योग्य रखा गया था। उनका आरोप है कि अब निजी मशीनरी की मदद से इसे स्थायी रूप से पक्का कर दिया गया है। इससे फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस, सीवरेज सफाई वाले वाहन, घर शिफ्ट करने वाले ट्रक और कुछ स्कूल वाहनों के आवागमन में परेशानी हो सकती है। कॉलोनीवासियों ने कहा कि स्कूल वाहन आगे नहीं जा पाने के कारण छोटे बच्चों को भी कुछ दूरी पैदल तय करनी पड़ रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि किसी आगजनी या मेडिकल इमरजेंसी के दौरान यदि बड़ा वाहन अंदर नहीं पहुंच पाया तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी। युवराज, अजब, सुनील कुमार, कमल, विजय शर्मा, नरेंद्र, रोहित, संदीप कुमार, नरेश और दानिश सहित अन्य निवासियों ने नगर परिषद और स्थानीय प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने कहा कि बैरिकेड की ऐसी व्यवस्था की जाए, जिसे आपात स्थिति में तुरंत खोला जा सके। साथ ही बिना अनुमति काम करवाने के आरोपों की जांच की मांग भी की गई।

लोगों की मांग पर दोबारा लगाया ओवरहेड : नवी

पूर्व पार्षद नवतेज नवी ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि जर्नैल एन्क्लेव फेज-2 में लगाया गया ओवरहेड नया नहीं है। यह वर्ष 2023 से पहले से ही वहां मौजूद था, लेकिन एक वाहन की टक्कर से क्षतिग्रस्त हो गया था। उनके अनुसार गोदाम क्षेत्र के साथ लगते निवासियों की मांग पर करीब 10 दिन पहले इसकी वेल्डिंग करवाकर उसी स्थान पर दोबारा लगाया गया। नवी ने कहा, 'हम लोगों का काम लोगों को सुविधा पहुंचाना है, न कि दुविधा पैदा करना।' उन्होंने कहा कि ओवरहेड लगाने का उद्देश्य क्षेत्रवासियों को परेशानी देना नहीं, बल्कि उनकी मांग के अनुरूप व्यवस्था करना है।

अनावश्यक चेन पुलिंग पर रेलवे सख्त, 18 दिनों में 50 गिरफ्तार

78 मामले दर्ज; दोषियों पर ₹1,000 तक जुर्माना और एक वर्ष तक की सजा का प्रावधान

आर. के. उप्पल

अमृतसर/यूटर्न/19 मई। रेलयात्रियों की सुरक्षा और ट्रेनों के सुचारू संचालन को बनाए रखने के लिए फिरोजपुर मंडल ने अनावश्यक अलार्म चेन पुलिंग के खिलाफ सख्ती बढ़ा दी है। प्रत्येक ट्रेन के कोच में आपातकालीन स्थिति में ट्रेन रोकने के लिए अलार्म चेन की सुविधा उपलब्ध रहती है। इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए कोचों में अलार्म चेन हैंडल पर पारदर्शी सुरक्षा कवर और चेतावनी स्टिकर लगाए गए हैं।

18 दिनों में 78 मामले, 50 गिरफ्तार...मंडल के अनुसार, 1 से 18 अगस्त 2026 के दौरान अनावश्यक चेन पुलिंग के 78 मामले दर्ज किए गए। इन मामलों में कार्रवाई करते हुए 50 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

बिना उचित कारण अलार्म चैन खींचना अपराध...रेलवे ने यात्रियों को स्पष्ट किया है कि बिना उचित कारण अलार्म चेन खींचना कानूनन अपराध है।

एक वर्ष तक की सजा का प्रावधान...भारतीय रेल अधिनियम की धारा 141 के तहत बिना उचित और पर्याप्त कारण अलार्म चेन खींचने पर ₹1,000 तक का जुमार्ना, एक वर्ष तक का कारावास या दोनों का प्रावधान है। अनावश्यक चेन पुलिंग से ट्रेन संचालन प्रभावित होने के साथ-साथ अन्य यात्रियों को भी असुविधा और यात्रा में देरी का सामना करना पड़ता है।

आपात स्थिति में ही करें इस्तेमाल...फिरोजपुर मंडल ने सभी रेलयात्रियों से अपील की है कि अलार्म चेन का उपयोग केवल वास्तविक एवं उचित आपातकालीन परिस्थितियों में ही करें। रेलवे ने कहा कि यात्रियों के सहयोग से ट्रेनों का संचालन सुचारू रहेगा और सभी सहयात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं समयबद्ध यात्रा का अनुभव मिल सकेगा।

अमृतसर में नशा और हथियार तस्करी के तीन नेटवर्क का पदार्फाश

दो सगे भाइयों समेत 9 गिरफ्तार, 8 पिस्तौल, 8.536 किलो हेरोइन और 12.95 लाख रुपये ड्रग मनी बरामद

अमृतसर/यू टर्न /19 अगस्त। पंजाब को नशा और अपराध मुक्त बनाने के अभियान के तहत अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो सगे भाइयों समेत नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से आठ अवैध पिस्तौल, 8.536 किलो हेरोइन, चार जिंदा कारतूस और 12.95 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, इस कार्रवाई से नशे और अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले तीन प्रमुख नेटवर्क का पदार्फाश हुआ है।

विदेश बैठे हैंडलरों से जुड़े थे आरोपी...पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी विदेश में बैठे हैंडलरों के संपर्क में थे। ये हैंडलर आरोपियों को अवैध हथियार और हेरोइन की खेप उपलब्ध करवाते थे, जिसे आरोपी आगे अन्य आपराधिक तत्वों तक पहुंचाते थे। पुलिस अब इनके पूरे नेटवर्क और आगे-पीछे के संबंधों की जांच कर रही है।

हथियारों के साथ चार आरोपी गिरफ्तार...पहली कार्रवाई में पुलिस ने पुख्ता सूचना के आधार पर दर्शन सिंह उर्फ चन्ना और सतनाम सिंह को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो अवैध पिस्तौल बरामद किए। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने उनके दो साथियों महाबीर सिंह और लवप्रीत सिंह उर्फ लव को भी गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से चार अन्य अवैध पिस्तौल बरामद हुए। पुलिस के मुताबिक इन चारों के खिलाफ पहले भी एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट और चोरी सहित कई मामले दर्ज हैं।

3.5 किलो हेरोइन और 12.10 लाख रुपये बरामद...दूसरी कार्रवाई में पुलिस टीम ने हरमन सिंह उर्फ हंमा, नरेंद्र सिंह उर्फ रोबा और करण सिंह को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 3.5 किलो हेरोइन, एक पिस्तौल, चार जिंदा कारतूस और 12.10 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई। अपराध में इस्तेमाल मोटरसाइकिल भी पुलिस ने जब्त कर लिया।

***सगे भाइयों से मिली 5.01 किलो हेरोइन...**एक अन्य कार्रवाई में पुलिस ने गुरजंट सिंह उर्फ घुद्धा और गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी को गिरफ्तार किया। दोनों सगे भाई बताए गए हैं। इनके कब्जे से 5.01 किलो हेरोइन, एक पिस्तौल और 85 हजार रुपये ड्रग मनी बरामद हुई।*

सफाई कर्मचारी की नौकरी अब ग्रुप-डी से बाहर : चित्रा सरवारा

जगदीप सिंह

अंबाला/यूटर्न/19 अगस्त। हरियाणा में सफाई और फायर कर्मचारियों की लंबित मांगों को लेकर चल रही हड़ताल बुधवार को 14वें दिन भी जारी रही। नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर नगर परिषद अंबाला सदर के मुख्य द्वार पर सफाई एवं फायर विभाग के सैकड़ों कर्मचारी धरने पर बैठे रहे। कर्मचारियों ने सरकार से पूर्व में हुए समझौते को लागू करने और लंबित मांगों पर तत्काल निर्णय लेने की मांग की। हड़तालरत कर्मचारियों को समर्थन देने के लिए टीम चित्रा सरवारा की संयोजक चित्रा सरवारा के साथ विभिन्न वार्डों के पार्षद भी नगर परिषद परिसर पहुंचे। वार्ड नंबर 1 से पार्षद सोनू गुज्जर, वार्ड नंबर 5 से पार्षद जीवन, वार्ड नंबर 6 से संदीप शर्मा, वार्ड नंबर 11 से नीलम कश्यप, वार्ड नंबर 25 से राहुल सोनकर तथा टीम चित्रा के अनेकों वरिष्ठ साथियों सहित अन्य समर्थकों ने कर्मचारियों के धरने में पहुंचकर उनकी मांगों का समर्थन किया।

इस अवसर पर चित्रा सरवारा ने कहा कि सरकार एक ओर 'स्वच्छ भारत' का नारा देती है, लेकिन जिस वर्ग के कर्मचारी शहरों को साफ रखने और नागरिकों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने में दिन-रात जुटे रहते हैं, उनकी समस्याओं की अनदेखी किया जाना गंभीर विरोधाभास है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत का सपना केवल नारों और अभियानों से पूरा नहीं हो सकता, बल्कि इसके लिए सफाई कर्मचारियों को सम्मानजनक सेवा शर्तें, रोजगार की सुरक्षा और उनके अधिकारों की गारंटी भी देनी होगी।

अनिल विज बताएं कि आजतक टांगरी का स्थायी समाधान क्यों नहीं, हल्की बारिश से जनता की फूलने लगती हैं सांसें : ओंकार सिंह

जगदीप सिंह

अंबाला/यूटर्न/19 अगस्त। हर साल करोड़ों रुपये के अस्थायी इंतजाम क्यों? टांगरी पर स्थायी तटबंध, डी-सिल्टिंग और बाढ़ प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की ठोस योजना क्यों नहीं। इनेलो के प्रदेश प्रवक्ता ओंकार सिंह ने कहा कि टांगरी नदी अम्बाला छावनी तथा आसपास के ग्रामीण एवं औद्योगिक क्षेत्रों के लिए वर्षों से गंभीर समस्या बनी हुई है। जुलाई 2023 की भयंकर बाढ़ में भारी तबाही हुई और वर्ष 2025 में भी बाढ़ की स्थिति ने सरकार के बाढ़ नियंत्रण के दावों की पोल खोल दी। इसके बावजूद आज तक टांगरी नदी का कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि 7 बार के विधायक और

3 बार के मंत्री रहे अनिल विज के लंबे राजनीतिक एवं प्रशासनिक अनुभव के बावजूद अम्बाला छावनी की यह सबसे गंभीर समस्या जस की तस बनी हुई है। सवाल यह है कि इतने वर्षों तक सत्ता में प्रभावशाली भूमिका रहने के बावजूद टांगरी नदी पर स्थायी तटबंध, नदी की सफाई और जल निकासी की वैज्ञानिक व्यवस्था क्यों नहीं बनाई गई? ओंकार सिंह ने कहा कि टांगरी नदी के आसपास बसे लोगों की स्थिति बेहद चिंताजनक है। थोड़ी सी तेज बारिश होते ही नदी का जलस्तर बढ़ने लगता है और टांगरी के बहाव क्षेत्र में रहने वाले परिवारों की सांसें फूलने लगती हैं। लोगों को हर मानसून में यह डर सताता है कि पानी उनके घरों और दुकानों में न घुस जाए। यह स्थिति किसी भी संवेदनशील सरकार के लिए गंभीर चिंता का विषय होनी चाहिए।

रोडवेज कर्मचारियों के लिए नया फरमान, छुट्टी से पहले अप्रूवल जरूरी

हरियाणा/यूटर्न/19 अगस्त। रोडवेज कर्मचारियों के लिए छुट्टी लेना अब आसान नहीं होगा। आकस्मिक अवकाश यानी कैजुअल लीव के लिए भी सक्षम अधिकारी की पूर्व मंजूरी जरूरी होगी। बिना सूचना या लिखित आवेदन के छुट्टी पर जाने की बढ़ती शिकायतों के बाद परिवहन निदेशालय ने सख्ती की है। परिवहन निदेशक धीरेंद्र खड़गटा ने सभी महाप्रबंधकों को गाइडलाइन जारी कर नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आदेश के मुताबिक, सामान्य परिस्थितियों में किसी भी

अवकाश से पहले लिखित अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

आपात स्थिति में ग्रुप-ए और बी अधिकारियों को उसी दिन निदेशक को फोन या वॉट्सऐप से कारण सहित सूचना देनी होगी। वहीं, ग्रुप-सी और डी कर्मचारियों को संबंधित जेडीएसटी को जानकारी देनी होगी। ड्यूटी पर लौटने के बाद छुट्टी का औपचारिक अनुमोदन कराना भी जरूरी होगा। निदेशालय ने साफ चेतावनी दी है कि बिना अनुमति या सूचना के छुट्टी पर जाने को गंभीरता से लिया जाएगा और दोषी कर्मचारी या अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है।

DMC&H में फिजियोथेरेपी की नई उड़ान, 50 छात्रों को मिलेगा दाखिला

लुधियाना/यूटर्न/19 अगस्त। DMC&H कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी में नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत होने जा रही है। इस सत्र में 50 विद्यार्थियों को दाखिला मिलेगा। प्रवेश प्रक्रिया BFUHS

के नियमों के तहत होगी। मलाकपुर बेट कैंपस में तैयार कॉलेज में छात्रों को आधुनिक उपकरणों, अनुभवी फैकल्टी और क्लिनिकल ट्रेनिंग के साथ प्रैक्टिकल लर्निंग का मौका मिलेगा। इंटर्नशिप के जरिए अलग-अलग फिजियोथेरेपी सेटिंग्स में काम करने का अनुभव भी दिया जाएगा। DMC&H मैनेजिंग सोसाइटी के अध्यक्ष सुनील कांत मुंजाल ने कहा कि संस्थान का लक्ष्य फिजियोथेरेपी शिक्षा और क्लिनिकल प्रैक्टिस में उत्कृष्टता का केंद्र बनना है।

15 अगस्त व तीज के उपलक्ष्य में भारत विकास परिषद स्वामी विवेकानंद शाखा के ₹संस्कृति पखवाड़े₹ के तहत संयुक्त कार्यक्रम संपन्न

अंबाला शहर/यूटर्न/19 अगस्त। भारत विकास परिषद स्वामी विवेकानंद शाखा के 'संस्कृति पखवाड़े' के तहत, माँ सरस्वती डांस एवं योगा एकेडमी और ह्यूमन राइट काउंसिल के संयुक्त तत्वावधान में आज पंचायत भवन में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस और तीज के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नशा मुक्त समाज, योग और भारतीय संस्कारों का प्रचार-प्रसार करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मेयर अक्षिता सैनी उपस्थित रहीं। उनके साथ दिनेश कांत जिंदल, महेश दत्त वशिष्ठ देवेंद्र शर्मा एवं कुलदीप उप्पल ने भी शिरकत की। इस कार्यक्रम में भारत विकास परिषद की प्रांतीय टीम से अंजलि भारती (क्षेत्रीय गतिविधि संयोजक), अरविंद कौशिक (प्रांतीय गतिविधि संयोजक संपर्क), पूनम सैनी (प्रांतीय गतिविधि संयोजक महिला सहभागिता), राकेश कुमार जिंदल (जिला सह-संयोजक) का भी भरपूर आशीर्वाद मिला।

स्वामी विवेकानंद शाखा अध्यक्ष राजकुमार पुरी ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा के सचिव कंवलजीत सहगल का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का कुशल संचालन एम.सी. कविता सैनी द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रणामृत योग एवं सामाजिक संस्थान से आए योग गुरु सुनील , संस्थान के अध्यक्ष भारत भूषण , सुनील जिंदल एवं रविंदर कुमार ने योगाभ्यास करवाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण अंबाला से आए बच्चों का सम्मान रहा। विभिन्न स्कूलों के काफी बच्चों सहित कुल 100 बच्चों को भारत विकास परिषद स्वामी विवेकानंद शाखा की ओर से शील्ड व प्रमाण-पत्र और माँ सरस्वती डांस एकेडमी की ओर से प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। सभी बच्चों एवं अभिभावकों के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई थी। इस मौके पर ब्रह्मा कुमारी संस्थान से मीरा दीदी एवं दिव्या दीदी ने सभी को नशा मुक्ति की प्रतिज्ञा दिलाई। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के प्रधानाचार्य, अध्यापकगण, माँ सरस्वती डांस एकेडमी के बच्चे और उनके माता-पिता ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

फ्रूट बीयर यूनिट पर पुलिस की दबिश, सफाई व्यवस्था पर उठे सवाल

जीरकपुर/यूटर्न/19 अगस्त। नाभा-भबात रोड पर फ्रूट बीयर तैयार करने वाली क्राउनिस नामक फैक्ट्री में जीरकपुर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर जांच की। पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं एएसपी गजलप्रीत कौर ने उत्पादन स्थल पर साफ-सफाई, उत्पाद की टेस्टिंग और फूड सेफ्टी मानकों से जुड़े पहलुओं की पड़ताल की। पुलिस की सूचना पर फूड सेफ्टी अधिकारी कंवरदीप सिंह भी मौके पर पहुंचे और फ्रूट बीयर के सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे। एएसपी गजलप्रीत कौर के अनुसार शुरूआती निरीक्षण में उत्पादन के दौरान स्वच्छता व्यवस्था को लेकर कुछ सवाल सामने आए। उन्होंने बताया कि किसी भी खाद्य अथवा पेय उत्पाद को बाजार में भेजने से पहले निर्धारित मानकों के अनुसार उसकी जांच जरूरी होती है, ताकि बोतल पर दर्ज सामग्री और मात्रा की पुष्टि हो सके। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है कि उत्पाद की सप्लाई से पहले आवश्यक टेस्टिंग प्रक्रिया का पालन किया जा रहा था या नहीं।

शिरोमणि अकाली दल: जगरांव में नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान, पार्टी की मजबूती पर जोर

-चरणजीत सिंह चन्न-
जगरांव/यूटर्न/19/अगस्त। शिरोमणि अकाली दल हल्का जगरांव की ओर से पार्टी के नवनियुक्त पदाधिकारियों के सम्मान में जगरांव कार्यालय में एक प्रभावशाली समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता पार्टी के कोर कमेटी मेंबर, पूर्व विधायक और हल्का इंचार्ज एस.आर. क्लेर ने की।

इस दौरान कमलजीत सिंह मल्होत्रा (मल्ला) को पंजाब का संगठनात्मक सचिव, परमिंदर सिंह चीमा को पी.ए.सी. मेंबर, पार्षद दविंदरजीत सिंह सिद्धू व दीपइंदर सिंह भंडारी को पी.ए.सी. मेंबर और जतिंदर सिंह जट्ट ग्रेवाल व वरिंदरपाल सिंह पाली गिल को यूथ अकाली दल पंजाब का जनरल सचिव नियुक्त किए जाने पर सम्मानित किया गया।

70वीं जिला कराटे चैंपियनशिप: जी.एच.जी अकादमी के खिलाड़ियों ने गाड़े सफलता के झंडे

-चरणजीत सिंह चन्न-
जगरांव/यूटर्न/19/अगस्त। पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी (PAU), लुधियाना में आयोजित 70वीं जिला कराटे चैंपियनशिप (SGFI) में जी.एच.जी अकादमी के विद्यार्थियों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से क्षेत्र का मान बढ़ाया है। कड़े मुकाबले के बीच खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा और अनुशासन का शानदार परिचय देते हुए विद्यालय के लिए कई पदक जीते। प्रतियोगिता के विभिन्न आयु वर्गों में छात्राओं ने शानदार दांव-पेंच दिखाते हुए पोडियम पर जगह बनाई।

तीज उत्सव में दिखा पंजाबी संस्कृति का रंग, महिलाओं ने जमकर मनाया जश्न

लुधियाना/यूटर्न/19 अगस्त। ग्लैम अप सैलून, गुरु नानक कॉलोनी की ओर से होटल पैराडाइज ड्रीम, गिल विलेज में तीज के त्योहार को लेकर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और पारंपरिक पंजाबी अंदाज में तीज का पर्व मनाया।

कार्यक्रम के दौरान रंग-बिरंगी पंजाबी पोशाकों में सजी महिलाओं ने माहौल को और भी आकर्षक बना दिया। संगीत, नृत्य, मनोरंजक गतिविधियों और तीज से जुड़ी पारंपरिक रस्मों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। महिलाओं ने गीत-संगीत पर जमकर आनंद लिया और एक-दूसरे को तीज की शुभकामनाएं दीं। आयोजकों की ओर से कार्यक्रम को खास बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह और उमंग का माहौल बना रहा।

मौजूद मेहमानों ने ग्लैम अप सैलून की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज को अपनी परंपराओं और विरासत से जोड़ने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से नई पीढ़ी को पंजाबी संस्कृति, रीति-रिवाजों और त्योहारों से परिचित कराने के लिए इस तरह के आयोजनों का लगातार होना जरूरी है।

पनीर टिक्का में बाल मिलने की शिकायत, हाइजीन और पार्किंग व्यवस्था पर सवाल

जीरकपुर/यूटर्न/19 अगस्त। पभात रोड स्थित सरपंच की कोठी के साथ बनी मार्केट में चल रहे एक फास्ट फूड अड्डे को लेकर हाइजीन और साफ-सफाई व्यवस्था पर सवाल उठे हैं। यहां ग्राहक को परोसे गए पनीर टिक्का में कथित रूप से बाल मिलने की शिकायत सामने आई है, जिसके बाद लोगों ने फूड सेफ्टी विभाग से मौके की जांच की मांग की है। ग्राहकों का आरोप है कि खाद्य सामग्री तैयार करने और परोसने के दौरान स्वच्छता मानकों का पर्याप्त ध्यान नहीं रखा जा रहा। पनीर टिक्का में बाल मिलने की शिकायत के बाद लोगों ने कहा कि खाने की गुणवत्ता, किचन की सफाई और कर्मचारियों द्वारा अपनाई जा रही हाइजीन प्रक्रिया की जांच होनी चाहिए। स्थानीय लोगों ने फास्ट फूड अड्डे के संचालन स्थल को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यह जांच का विषय है कि जिस स्थान पर कारोबार किया जा रहा है, वह निजी पार्किंग के लिए निर्धारित है या व्यावसायिक गतिविधि के लिए और इसके लिए संबंधित विभाग से जरूरी अनुमति ली गई है या नहीं।

एस.पी. संजीव कुमार ने संभाला जगरांव का कार्यभार

न्याय के लिए आने वालों को नहीं होना पड़ेगा निराश

-चरणजीत सिंह चन्न-
जगरांव/यूटर्न/19/अगस्त। पंजाब सरकार और पुलिस विभाग द्वारा किए गए तबादलों के तहत एस.पी. (ऑपरेशन) संजीव कुमार ने जगरांव में अपना पदभार संभाल लिया है। इससे पहले वह पठानकोट में अपनी सेवाएं दे रहे थे। पंजाब के विभिन्न जिलों में अपनी सेवाएं निभा चुके एस.पी. संजीव कुमार की पहचान एक ईमानदार और मेहनती अधिकारी के रूप में है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि न्याय की उम्मीद लेकर आने वाले किसी भी व्यक्ति को निराश नहीं लौटना पड़ेगा। दफ्तर आने वाली जनता को पूरा मान-सम्मान दिया जाएगा और उनकी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे बिना किसी झिझक के अपनी समस्याओं को लेकर पुलिस के पास आएं, क्योंकि पंजाब पुलिस जनता की सेवा के लिए हमेशा वचनबद्ध है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हर शिकायत को गंभीरता से लिया जाएगा और कानून के मुताबिक उचित कार्रवाई की जाएगी।

नरगिस फाखरी का सेल्फ-लव मंत्र: 'खुद की देखभाल सबसे जरूरी'

बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी ने सोशल मीडिया पर सेल्फ-लव और खुद को प्राथमिकता देने का संदेश साझा किया है। उन्होंने महिलाओं से अपनी भलाई, मानसिक शांति और पर्सनल जर्नी पर ध्यान देने की अपील की। नरगिस ने ब्लैक सूट में अपनी एक स्टाइलिश तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि कभी-कभी खुद का ख्याल रखना ही उस महिला बनने की कुंजी है, जो आप बनना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि खुद पर ध्यान देना एक जरूरी निवेश है। नरगिस सोशल मीडिया पर अपनी जिंदगी से जुड़े दिलचस्प अनुभव भी साझा करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने पहली बार प्लेन उड़ाने का अनुभव बताया था। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि शायद पिछले जन्म में वह पायलट रही होंगी, क्योंकि उन्होंने काफी अच्छा प्रदर्शन किया।

सैनिक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी का एम.एस.सी. आईटी चौथे सेमेस्टर का शानदार परिणाम

होशियारपुर/दलजीत अजनोहा
पंजाब सरकार के जिला रक्षा सेवाएं कल्याण कार्यालय में संचालित सरकारी कॉलेज सैनिक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, होशियारपुर कैंपस के मास्टर ऑफ साइंस इन आई.टी. (एम.एससी. आईटी) के चौथे सेमेस्टर का परिणाम शानदार रहा। यह संस्थान विभाग द्वारा राज्य के विभिन्न जिलों में संचालित सैनिक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी संस्थानों के लिए नोडल कार्यालय के रूप में भी कार्य कर रहा है तथा आई.के.जी. पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी से मान्यता प्राप्त है।

कैंपस डायरेक्टर-कम-जिला रक्षा सेवाएं कल्याण अफसर कमांडर (रिटा.) बलजिंदर सिंह विर्क ने बताया कि एम.एससी. आईटी के चौथे सेमेस्टर के परिणामों में हरमन ने 9.00

सीजीपीए के साथ प्रथम स्थान, अनमोलजीत कौर ने 8.67 सीजीपीए के साथ द्वितीय स्थान तथा रमनप्रीत कौर ने 7.83 सीजीपीए के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।

उन्होंने शानदार परीक्षा परिणाम के लिए कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. परमिंदर कौर सैनी, अकादमिक स्टाफ एवं विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और अध्यापकों द्वारा करवाए जा रहे गुणवत्तापूर्ण शिक्षण का यह परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें इसी तरह मेहनत और लगन से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर कॉलेज के अकादमिक स्टाफ में शामिल प्रो. रीतू तिवारी, प्रो. सुखविंदर सिंह, प्रो. जसवीर सिंह, प्रो. चांदनी शर्मा और प्रो. संदीप कौर सहित समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी मौजूद रहे। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. परमिंदर कौर सैनी ने भी विद्यार्थियों के शानदार प्रदर्शन पर खुशी व्यक्त करते हुए सैनिक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी के अकादमिक स्टाफ की मेहनत और समर्पण की सराहना की।

तीज जैसे पारंपरिक पर्व हमारी समृद्ध पंजाबी संस्कृति की पहचान : राकेश कपूर

साहनेवाल/यूटर्न/19 अगस्त। गोल्डन हट, साहनेवाल में 'तीयां साहनेवाल दियां' के तहत तीज समारोह आयोजित किया गया, जिसमें भाजपा पंजाब के प्रदेश प्रवक्ता राकेश कपूर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि तीज पंजाब की बेटियों और महिलाओं की खुशी, उमंग, आपसी भाईचारे और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। ऐसे आयोजन युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों और परंपराओं से जोड़ने का माध्यम बनते हैं। आयोजक जतिंदर कौर संधू ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य पंजाबी संस्कृति को जीवंत रखना और महिलाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान करना है। राकेश कपूर ने जतिंदर कौर संधू, सुखविंदर कौर संधू, रिद्धू और पूरी टीम को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में गुरजीत सेम्बी और सेलिब्रिटी गेस्ट हेमा लावी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता में मीनू लोटे को Mrs. Teej, महकप्रीत कौर गिल को Miss Teej, रुपिंदर कौर गिल को प्रथम रनर-अप और रेनू साहनेवाल को द्वितीय रनर-अप चुना गया।

कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से छोटी इंडस्ट्री परेशान, सरकार बनाए स्थिर नीति - सतनाम मक्कड़

लुधियाना/यूटर्न/19 अगस्त। ढंडारी इंडस्ट्रियल वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान सतनाम सिंह मक्कड़ ने अपने एक बयान में कहा है कि कच्चे माल की कीमतों में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव ने छोटी और मध्यम उद्योगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बरसात के कारण पहले ही उद्योगों का काम प्रभावित हो रहा है, वहीं दूसरी ओर कच्चे

माल की बढ़ती और घटती कीमतों का सीधा असर उत्पादन लागत पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बड़ी कंपनियों द्वारा कच्चे माल की कीमतों में बार-बार बदलाव किया जाता है, जिसका सबसे अधिक नुकसान छोटे उद्योगों को उठाना पड़ता है। मक्कड़ ने कहा कि उद्योग किसी ग्राहक से ऑर्डर लेते समय कच्चे माल की मौजूदा कीमत के आधार पर उत्पाद का मूल्य तय करते हैं, लेकिन बाद में कीमतों में अचानक वृद्धि होने पर उनका मुनाफा खत्म हो जाता है और कई बार उन्हें नुकसान उठाना पड़ता है। मक्कड़ ने केंद्र सरकार के इस्पात मंत्रालय और उद्योग मंत्रालय से कच्चे माल की कीमतों पर प्रभावी निगरानी रखने और कम से कम छह महीने तक कीमतों में स्थिरता बनाए रखने के लिए ठोस नीति बनाने की मांग की है।

खुले ड्रेन बने हादसों का खतरा, शिकायतों के बाद भी नहीं जागी नगर परिषद

जीरकपुर/यूटर्न/19 अगस्त। बलटाना के वार्ड नंबर-3 में करीब एक महीने से खुले पड़े ड्रेन स्थानीय लोगों के लिए परेशानी के साथ हादसों का खतरा बने हुए हैं। बार-बार शिकायतों के बावजूद ढक्कन नहीं लगाए जाने से नाराज स्थानीय लोगों ने मंगलवार को नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर रोष जताया। लोगों का आरोप है कि समस्या लंबे समय से अधिकारियों के ध्यान में होने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। स्थानीय निवासियों के अनुसार खुले ड्रेन के कारण बच्चों, बुजुर्गों और पैदल राहगीरों को सबसे ज्यादा खतरा है। रात के समय पर्याप्त रोशनी न होने पर खुले ड्रेन दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है। लोगों का दावा है कि यहां पहले भी खुले ड्रेन के कारण हादसे हो चुके हैं। उनका कहना है कि यदि जल्द ढक्कन नहीं लगाए गए तो कभी भी कोई गंभीर घटना हो सकती है। लोगों ने आरोप लगाया कि समस्या को लेकर कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन हालात जस के तस हैं। लगातार अनदेखी से स्थानीय निवासियों में नगर परिषद के प्रति नाराजगी बढ़ रही है। लोगों ने मांग की कि सभी खुले ड्रेन की पहचान कर तत्काल ढक्कन लगाए जाएं और भविष्य में इनके रखरखाव की नियमित व्यवस्था की जाए।

जेई और ईओ को कई बार कराया अवगत : नेगी... वार्ड नंबर-3 के पार्षद देवेंद्र नेगी ने बताया कि खुले ड्रेन की समस्या को लेकर वह कई बार नगर परिषद के जेई और कार्यकारी अधिकारी को अवगत करवा चुके हैं। उन्होंने कहा कि मामले की जानकारी एसडीएम को भी दी गई और लिखित शिकायतें भी सौंपी गईं, लेकिन अभी तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है।

दसमेश किसान मजदूर यूनियन का थाने के बाहर जोरदार प्रदर्शन, न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रखने का संकल्प

-चरणजीत सिंह चन्न-

जगरांव/यूटर्न/19/अगस्त। तत्कालीन थाना प्रमुख गुरिंदर सिंह बल्ल और एएसआई राजवीर सिंह तथा अन्य अधिकारियों द्वारा गरीब महिलाओं और पुरुषों पर किए गए कथित अत्याचारों के खिलाफ मामला गरमाता जा रहा है। पीड़ित परिवार और उनका समर्थन कर रही विभिन्न किसान-मजदूर जथबंदियां पिछले चार साल से थाने के बाहर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठी हैं। इसी कड़ी में आज दसमेश किसान मजदूर यूनियन ने थाने के बाहर एक विशाल रोष प्रदर्शन किया और स्पष्ट किया कि जब तक पीड़ितों को पूरी

तरह न्याय नहीं मिल जाता, तब तक उनका यह संघर्ष पूरी ताकत से जारी रहेगा।

संघर्ष का आधार: एफआईआर और कानूनी कार्रवाई: यूनियन के नेताओं-प्रधान गुरदयाल सिंह तलवंडी, सचिव जसदेव सिंह ललतों, दलित समाज कल्याण संगठन के प्रधान नछत्तर सिंह धालीवाल, और मजदूर संघर्ष समिति के प्रधान भरपूर सिंह छाजावाल-ने मांग की है कि पीड़िता मनप्रीत कौर और उसके परिवार पर हुए अत्याचारों के संबंध में तुरंत सख्त एफआईआर दर्ज की जाए।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372